सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023
www.newsparivahan.com
परिवहन विशेष
वर्ष 02, अंक 182, नई दिल्ली । बुधवार, 11 सितम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने किरदार की हिफाजत जान से बढ़कर कीजिये, क्योंकि इसे जिंदगी के बाद भी याद किया जाता है।

03 बुखार के मामले कुछ बढ़े हैं परंतु अभी घबराने वाली कोई बात नहीं है
06 बिना कोचिंग के नीट परीक्षा कैसे पास करें?
08 रेजिडेंशियल एरिया, शेर शाह सूरी रोड में घूमते पानी के टैंकरों से बढ़ा खतरा

क्या आप जानते हैं दिल्ली परिवहन विभाग के कार्यरत उपायुक्त कितने कार्यों के प्रति वफादार हैं?

संजय बाटला

नई दिल्ली। आज आपको ऐसी खबर बताने जा रहे हैं जिसके बाद आप स्वयं समझ जाएंगे जिस परिवहन उपायुक्त के सिर पर विशेष परिवहन आयुक्त का हाथ है वह कितने सजग और अपने कार्यों के प्रति सजग है। हम आपको पहले भी बता चुके हैं की उपायुक्त परिवहन रामनाथन द्वारा दिल्ली में बिकने के लिए आए इलेक्ट्रिक वाहन के डीलर को मिलने के लिए मजबूर कराने के उद्देश्य से फाइल की नोटिंग में सच्चाई से अलग लिख कर फाइल को विशेष परिवहन आयुक्त द्वारा उसकी अलमारी में रखवा दी जिसकी जानकारी आप सीडी नंबर के द्वारा ऑनलाइन डायरी सिस्टम पर जांच सकते हैं और विशेष परिवहन आयुक्त ने भी उसे अपने पास ही रखा हुआ है कैसा बेखौफ कार्य प्रणाली है इन अधिकारियों की इसी से पता लग रहा है। आज आपको बताने जा रहे हैं इन्हीं अधिकारियों से संबंधित खबर, दिल्ली के अंदर ऑटोमैटिक वाहन जांच शाखा के लिए वाहन जांच

कंपनियों द्वारा टेंडर प्रक्रिया चल रही है और यह प्रक्रिया ऑनलाइन है और टेंडर प्रक्रिया द्वारा टेंडर भरे गए टैंडर को खोलने के लिए दो उपायुक्त की बनाई गई जिसके द्वारा टैंडर खोल कर जांच होने है पर दोनो ही उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गई की उनसे वह जिससे टैंडर खोल कर जांच किए जा सकते हैं वह खो गई और इसके लिए उनकी तरफ से बकायदा दिल्ली पुलिस में शिकायत यानी एफआईआर भी दर्ज कर दी गई। अब आप सोच सकते हैं की यह अगर किसी ऐसे व्यक्ति के हाथ लग जाए जो इस टैंडर प्रक्रिया का हिस्सेदार है तो वह तो अन्य सभी कंपनियों द्वारा भरे गए टैंडर को आराम से देख कर अपना टैंडर पास करवा सकता है। विश्वस्त सूत्रों की जानकारी के बाद आश्चर्यजनक बात यह पता लगी की इन दोनों परिवहन उपायुक्त (उपायुक्त रामनाथन और उपायुक्त ओम ढोले) के खिलाफ किसी भी कार्रवाई / जांच की बात करने की जगह अन्य उपायुक्त के नाम के लिए बनाने के दिशा निर्देश जारी कर दिए गए। यह बात विशेष परिवहन आयुक्त की जानकारी में है। **अब आप ही सोचे कितने सजग तरीके से परिवहन विभाग के आला अधिकारी की शय प्राप्त उपायुक्त कार्य कर रहे हैं। क्या इन सभी जानकारियों के बाद भी आप सोचते हैं की परिवहन विभाग में करप्शन नीचे की श्रेणी के कर्मचारियों या अधिकारियों की देन हैं, बड़ा सवाल ?**

करप्शन तभी होता है जब आला अधिकारी की शय निम्न स्तर के अधिकारी को प्राप्त हो और जहा आला अधिकारी की शय हो वहा करप्शन कैसे खत्म हो, दुसरा बड़ा सवाल? क्योंकि आला अधिकारियों के सिर पर तो बड़े बड़े राजनेताओं का हाथ होता है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ बड़ौदा दिल्ली 110042

वाहन का चालान कटे तो न हों परेशान, जुर्माना राशि पर मिलेगी 50 प्रतिशत की छूट; दिल्ली सरकार जल्द ले सकती है फैसला

दिल्ली सरकार इस पर गंभीरता से विचार कर रही है कि लोगों को चालान पर छूट मिले ताकि सभी समय पर चालान जमा कर सकें। इस प्रस्ताव में 25 तरह के मामले शामिल करने पर विचार हो रहा है। परिवहन विभाग ने दिल्ली सरकार से पास प्रस्ताव भेजा है कि उल्लंघन के मामलों में मौके पर चालान का भुगतान करने पर जुर्माना राशि को आधा कर दिया जाए

नई दिल्ली। आने वाले समय में दिल्ली में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को चालान के जुर्माना राशि में बड़ी राहत मिल सकती है। परिवहन विभाग ने दिल्ली सरकार से पास प्रस्ताव भेजा है कि उल्लंघन के मामलों में मौके पर चालान का भुगतान करने पर जुर्माना राशि को आधा कर दिया जाए। इस प्रस्ताव में 25 तरह के मामले शामिल करने पर विचार करने की बात कही गई है।

दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग ने इस तरह का प्रस्ताव भेजा है, मगर अभी इस पर चर्चा नहीं हुई है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत इस बारे में चर्चा के बाद फैसला लेंगे, जिसके बाद इस बारे में अधिसूचना जारी की जाएगी।

कई लोग चालान का देर तक नहीं करते हैं भुगतान

दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि यह देखा गया है कि चालान कट जाने के बाद काफी समय तक लोग उसका भुगतान नहीं करते हैं या व्यस्तता के कारण कर नहीं पाते हैं। इसके अलावा चालान का भुगतान करने के लिए भी उन्हें परेशान होना पड़ता है।

छूट देकर परेशानी से बचा जा सकेगा

इसी के चलते यह विचार किया गया है कि अगर छूट देकर मौके पर चालान का जुर्माना ले लिया जाए तो लोगों को चालान का भुगतान करने के लिए होने वाली परेशानी से बचाया जा सकेगा। इसी के चलते इस बारे में विचार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मौके पर ही भुगतान करने पर जुर्माना राशि पर आधी छूट का प्रस्ताव है। उन्होंने बताया कि प्रस्ताव में मौके पर जुर्माना वसूलने के लिए टीमें लगाए जाने का प्रविधान है

सरकार ने भारत में ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोलिंग को प्रभावी बनाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियमों में सक्षम संशोधन के रूप में जीएसआर संख्या 556 दिनांक 9 सितंबर 2024 के माध्यम से एनएच शुल्क नियम, 2008 में संशोधन किया है

1. जीएनएसएस आधारित टोलिंग अभी तक लागू नहीं हुई है। सत्यापन के लिए पायलट चरण पहले ही समाप्त हो चुका है।

2. जीएनएसएस आधारित टोलिंग के कार्यान्वयन पर, उपयोगकर्ता शुल्क (टोल) जीएनएसएस आधारित ईटीसी प्रणाली (अर्थात दूरी आधारित टोलिंग) द्वारा उपयोग के अनुसार भुगतान के आधार पर लगाया जाएगा।

3. प्रारंभ में, जीएनएसएस आधारित टोल के लिए जीएनएसएस ऑन-बोर्ड यूनिट लगे वाहन के लिए फी प्लाजा पर एक विशेष लेन निर्धारित की जा सकती है।

4. राष्ट्रीय परमिट वाहन के अलावा अन्य यांत्रिक वाहन जो राष्ट्रीय राजमार्ग के उसी खंड का उपयोग करते हैं, उन पर जीएनएसएस आधारित उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह प्रणाली के तहत एक दिन में एक बार प्रत्येक दिशा में बीस किलोमीटर की यात्रा तक शून्य उपयोगकर्ता शुल्क लगाया जाएगा।

5. यदि राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा की गई दूरी बीस किलोमीटर से अधिक है, तो वास्तविक यात्रा की गई दूरी के आधार पर शुल्क लिया जाएगा।

6. जीएसआर संख्या 556 दिनांक 9 सितंबर 2024 के अनुसार एनएच शुल्क नियम, 2008 में संशोधन की प्रति संलग्न है।

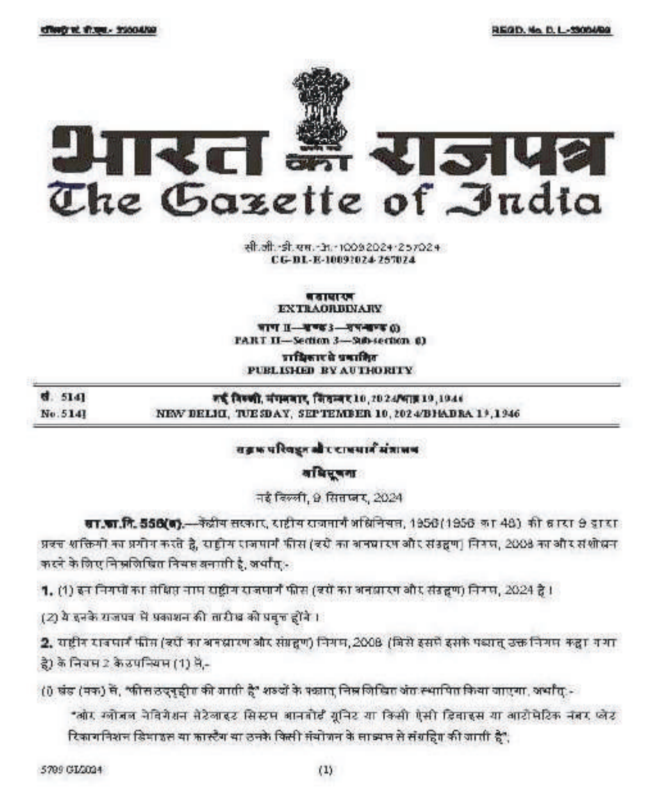

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-10092024-257024
CG-DL-E-10092024-257024

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 514] नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 10, 2024/भाद्र 19, 1946
No. 514] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 10, 2024/BHADRA 19, 1946

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
अधिसूचना
नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 2024

सा.का.नि. 556(अ).—केंद्रीय सरकार, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय राजमार्ग फीस (दरों का अवधारण और संग्रहण) नियम, 2008 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय राजमार्ग फीस (दरों का अवधारण और संग्रहण) नियम, 2024 है।

(2) ये इनके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राष्ट्रीय राजमार्ग फीस (दरों का अवधारण और संग्रहण) नियम, 2008 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 2 के उपनियम (1) में,-

(i) खंड (मक) में, "फीस उद्गृहीत की जाती है" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"और ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम आनबोर्ड यूनिट या किसी ऐसी डिवाइस या आटोमेटिक नंबर प्लेट रिकागनिशन डिवाइस या फास्टैग या उनके किसी संयोजन के माध्यम से संगृहीत की जाती है";

5799 GI/2024 (1)

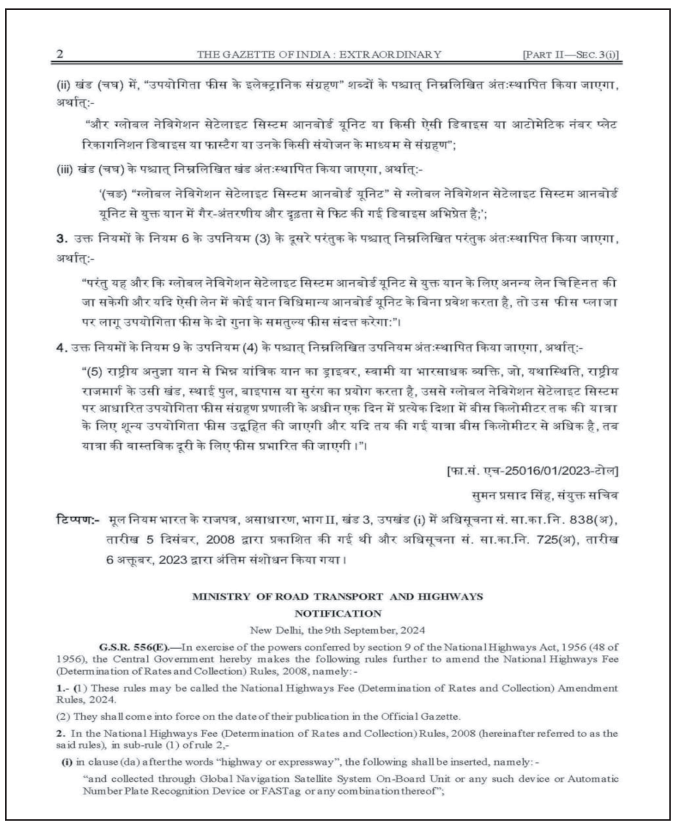

2 THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY [PART II—SEC. 3(i)]

(ii) खंड (चघ) में, "उपयोगिता फीस के इलेक्ट्रानिक संग्रहण" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"और ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम आनबोर्ड यूनिट या किसी ऐसी डिवाइस या आटोमेटिक नंबर प्लेट रिकागनिशन डिवाइस या फास्टैग या उनके किसी संयोजन के माध्यम से संग्रहण";

(iii) खंड (चघ) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

'(चङ) "ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम आनबोर्ड यूनिट" से ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम आनबोर्ड यूनिट से युक्त यान में गैर-अंतरणीय और दृढ़ता से फिट की गई डिवाइस अभिप्रेत है;';

3. उक्त नियमों के नियम 6 के उपनियम (3) के दूसरे परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"परंतु यह और कि ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम आनबोर्ड यूनिट से युक्त यान के लिए अनन्य लेन चिह्नित की जा सकेगी और यदि ऐसी लेन में कोई यान विधिमान्य आनबोर्ड यूनिट के बिना प्रवेश करता है, तो उस फीस प्लाजा पर लागू उपयोगिता फीस के दो गुना के समतुल्य फीस संदत्त करेगा:"।

4. उक्त नियमों के नियम 9 के उपनियम (4) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"(5) राष्ट्रीय अनुज्ञा यान से भिन्न यांत्रिक यान का ड्राइवर, स्वामी या भारसाधक व्यक्ति, जो, यथास्थिति, राष्ट्रीय राजमार्ग के उसी खंड, स्थाई पुल, बाइपास या सुरंग का प्रयोग करता है, उससे ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम पर आधारित उपयोगिता फीस संग्रहण प्रणाली के अधीन एक दिन में प्रत्येक दिशा में बीस किलोमीटर तक की यात्रा के लिए शून्य उपयोगिता फीस उद्गृहित की जाएगी और यदि तय की गई यात्रा बीस किलोमीटर से अधिक है, तब यात्रा की वास्तविक दूरी के लिए फीस प्रभारित की जाएगी।"।

[फा.सं. एच-25016/01/2023-टोल]

सुमन प्रसाद सिंह, संयुक्त सचिव

टिप्पण:- मूल नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में अधिसूचना सं. सा.का.नि. 838(अ), तारीख 5 दिसंबर, 2008 द्वारा प्रकाशित की गई थी और अधिसूचना सं. सा.का.नि. 725(अ), तारीख 6 अक्तूबर, 2023 द्वारा अंतिम संशोधन किया गया।

MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS
NOTIFICATION
New Delhi, the 9th September, 2024

G.S.R. 556(E).—In exercise of the powers conferred by section 9 of the National Highways Act, 1956 (48 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the National Highways Fee (Determination of Rates and Collection) Rules, 2008, namely:-

1.- (1) These rules may be called the National Highways Fee (Determination of Rates and Collection) Amendment Rules, 2024.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the National Highways Fee (Determination of Rates and Collection) Rules, 2008 (hereinafter referred to as the said rules), in sub-rule (1) of rule 2,-

(i) in clause (da) after the words "highway or expressway", the following shall be inserted, namely:-

"and collected through Global Navigation Satellite System On-Board Unit or any such device or Automatic Number Plate Recognition Device or FASTag or any combination thereof";

दिल्लीवाले ध्यान दें, अब पंप पर इन वाहनों को नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल और सीएनजी; लगाई गई पाबंदी

राजधानी में प्रदूषण कम करने के लिए दिल्ली सरकार सख्त कदम उठाने जा रही है। अब पेट्रोल पंपों पर लगे एआई कैमरे न सिर्फ पीयूसी सर्टिफिकेट की जांच करेंगे बल्कि पुराने वाहनों पर भी नजर रखेंगे। 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध है। इन वाहनों को पेट्रोल पंप पर ही रोककर कार्रवाई की जाएगी।

नई दिल्ली। दिल्ली में पेट्रोल पंप पर लगने वाले एआई कैमरे पीयूसी प्रमाणपत्रों की जांच के साथ साथ पुराने वाहनों की भी जांच करेंगे। कैमरे ऐसे वाहनों को भी पकड़ेंगे दिल्ली के लिहाज से जिनकी उम्र पूरी हो चुकी है। दिल्ली में डीजल के 10 साल और पेट्रोल के 15 साल पुराने वाहनों को चलाने पर पाबंदी है।

पुराने वाहनों के लिए क्या है नियम?

आने वाले ठंड के मौसम से पहले इन वाहनों के चलने पर सख्ती से रोक लगाने के लिए दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग ने सीएक्यूएम (वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग) के सामने एक प्रस्ताव पेश किया है। उम्र पूरी कर चुके ऐसे वाहनों को तुरंत जब्त करके स्क्रैपिंग के लिए भेजने का प्रविधान है।

देखने में आ रहा है कि पाबंदी के बावजूद अभी भी उम्र पूरी कर चुके ऐसे कई वाहन पेट्रोल पंपों और सीएनजी स्टेशनों पर ईंधन लेने के लिए पहुंच रहे हैं। ये वाहन दिल्ली में प्रदूषण का भी एक बड़ा कारण माने जा रहे हैं।

इसके तहत दिल्ली के पेट्रोल पंपों पर एआई आधारित ऑटोमेटेड एंड ऑफ लाइफ वीकल डिटेक्शन सिस्टम लगाया जाएगा। जिसकी मदद से ऐसे वाहनों को पेट्रोल पंप पर पहुंचते ही तुरंत पहचान लिया जाएगा।

उम्र पूरी कर चुके वाहनों को चलाने पर पाबंदी

परिवहन विभाग का मानना है कि अगर सीएक्यूएम यह आदेश जारी कर देता है कि उम्र पूरी कर चुके इन वाहनों को पंपों पर ईंधन न दियर जाए तो इन्हें सड़कों पर चलने

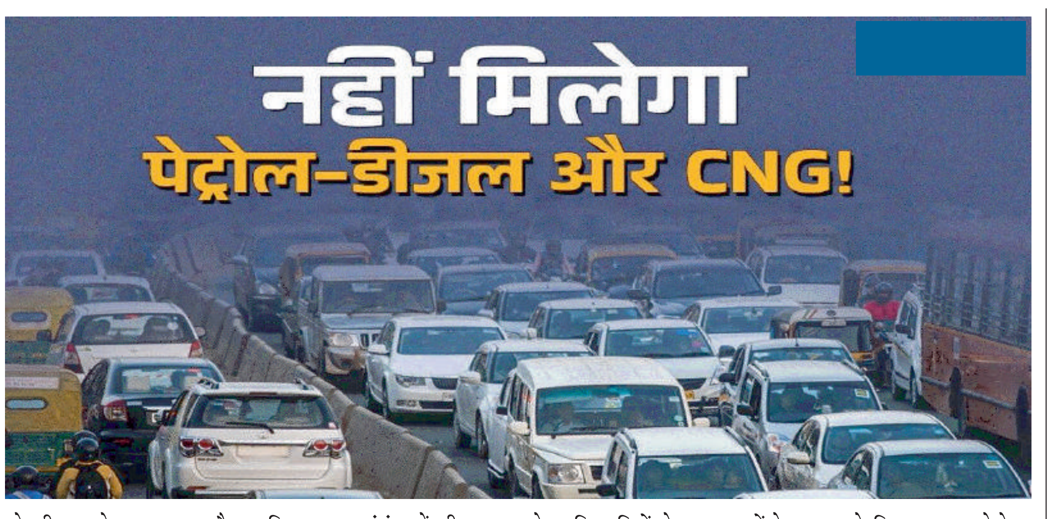

से पूरी तरह रोका जा सकता है। इस सिस्टम की मदद से पेट्रोल पंप पर ही इन वाहनों को रोका जा सकेगा और नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जा सकेगी।

जल्द जारी किए जा सकते हैं निर्देश

बताया जा रहा है कि गत शुक्रवार को परिवहन विभाग के अधिकारियों ने इस संबंध में सीएक्यूएम के अधिकारियों के सामने एक प्रेजेंटेशन भी दिया था। सूत्रों का कहना है कि सीएक्यूएम इस प्रस्ताव पर गंभीर से विचार कर रहा है और जल्द ही इसे लागू करने के लिए निर्देश जारी किए जा सकते हैं। बता दें कि परिवहन विभाग ने बिना पीयूसी प्रमाणपत्रों की जांच और ऐसे वाहनों के चालान के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर दिल्ली के 25 पेट्रोल पंपों पर यह सिस्टम लगाया था। अब इसे बढ़ाकर 100 और पंपों पर इसे शुरू किए जाने की योजना पर काम चल रहा है। विभाग की योजना भविष्य में दिल्ली के सभी पेट्रोल पंपों पर शुरू करने की है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर शुरू हुई नई सुविधा, अब मिलेगी लग्जरी टरमैक बस सेवा; यात्री कहेंगे वाह! क्या बात है

राजधानी दिल्ली में आईजीआई एयरपोर्ट पर नई सुविधा की शुरुआत की गई है। अब फर्स्ट क्लास व बिजनेस क्लास के यात्रियों को एयरपोर्ट पर टर्मिनल से टरमैक तक के बीच की आवाजाही के लिए नई लग्जरी बस उपलब्ध कराई जाएगी। खास बात यह है कि इन बसों में यात्रियों के आराम का पूरा ख्याल रखा गया है। यात्री इन बसों में आराम से बैठ सकेंगे।

नई दिल्ली। एअर इंडिया ने अपने फर्स्ट क्लास व बिजनेस क्लास के यात्रियों के लिए आईजीआई एयरपोर्ट पर एक नई सुविधा की शुरुआत की है। यहां अब इन यात्रियों को टर्मिनल से टरमैक तक के बीच की आवाजाही के लिए नई लग्जरी बस उपलब्ध कराई जाएगी। देश के किसी भी एयरपोर्ट पर मिलने वाली यह अपनी तरह की पहली सुविधा है। शुरुआती चरण में आईजीआई एयरपोर्ट पर कुल तीन बसें निजी कंपनी के साथ मिलकर एअर इंडिया ने उतारी हैं। तीनों बसों में यात्रियों के आराम का पूरा ख्याल रखा गया है। पूरी तरह से वातानुकूलित इन बसों में यात्री आराम से बैठ सकेंगे।

ये बसें यात्रियों को टर्मिनल बिल्डिंग से विमानों के गेट तक ले जाने व वहां से टर्मिनल बिल्डिंग तक लाने का काम करेंगे। उम्मीद है कि आने वाले समय में इन बसों की तादाद बढ़ाई जाएगी। बता दें कि यात्रियों को नई नई सुविधा देने के लिए इन दिनों तमाम एयर लाइंस में होड़ सी मची हुई है। कुछ ही दिन पहले इंडिगो ने स्ट्रैच सुविधा की शुरुआत की थी। इस सुविधा के तहत विमानों में कुछ ऐसी सीटें विकसित की गईं, जहां यात्री अपने पैर को जरूरत के हिसाब से फैलाकर बैठ सकते हैं।

दुनिया के सबसे बड़े रसोईघर में बनाया जाता है जगन्नाथ मंदिर का 'महाप्रसाद', हैरान कर देंगी ये बातें

ओडिशा के पुरी रथयात्रा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के लिए नीम की लकड़ियों से रथ तैयार किए जाते हैं। यहां एक ऐसा रसोईघर है, जहां पर जगन्नाथ भगवान का प्रसाद तैयार किया जाता है।

इस साल 07 जुलाई से जगन्नाथ रथ यात्रा शुरू हो गई है। हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत होती है और यह दशमी तिथि को समाप्त होती है। जगन्नाथ रथयात्रा ओडिशा के पुरी में होती है। इस यात्रा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के लिए नीम की लकड़ियों से रथ तैयार किए जाते हैं।

इस दौरान न सिर्फ देश बल्कि विदेशों से भी श्रद्धालु पुरी पहुंचते हैं। रथयात्रा के दौरान यहां मिलने वाले प्रसाद को 'महाप्रसाद' कहा जाता है, जोकि काफी चर्चा में रहता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको रथयात्रा में मिलने वाला प्रसाद की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं और साथ ही यह भी जानेंगे कि यह प्रसाद कहां-कहां मिलता है।

महाप्रसाद की रसोई

ओडिशा के पुरी में एक ऐसा रसोईघर है, जहां पर जगन्नाथ भगवान का प्रसाद तैयार किया जाता है। रथयात्रा के दर्शन करने के लिए हर रोज 2,000-2,00,000 के आसपास भक्त आते हैं। इन सभी के लिए इसी रसोईघर में महाप्रसाद तैयार किया जाता है। एक रिपोर्ट की मानें, तो रसोईघर में 500 रसोइए और करीब 300 सहयोगियों द्वारा महाप्रसाद तैयार किया जाता है। इसे दुनिया का सबसे बड़ा रसोईघर माना जाता है।

मुख्य प्रसाद

जगन्नाथ भगवान का मुख्य प्रसाद 'भात' है। पुरी में चावल की खिचड़ी का भोग लगाया जाता है। जिसको भक्त भी ग्रहण करते हैं। इस प्रसाद को ग्रहण करने पर भक्त 'जगन्नाथ के भात को जगत पसारे हाथ' कहते हैं। भक्तों के लिए भगवान जगन्नाथ का यह चढ़ाया हुआ प्रसाद बेहद खास होता है। इस खास प्रसाद को खाने को लेकर कई मान्यताएं हैं। इसलिए लंबी कतार में लगे रहकर भक्त प्रसाद ग्रहण करते हैं।

छत्तीसगढ़ का खास प्रसाद

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा का प्रसाद सिर्फ ओडिशा में ही नहीं बल्कि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में तैयार किया जाता है। यहां पर भगवान जगन्नाथ को चावल की खिचड़ी का भोग नहीं लगाया जाता है। बल्कि यहां पर मालपुए का प्रसाद बनाया जाता है। जांजगीर चांपा जिले के चांपा नगर में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के लिए मालपुए बनाए जाते हैं। मालपुआ खाने में काफी ज्यादा टेस्टी होते हैं। यह भारत की सबसे पुरानी मिठाई है और इसका जिक्र करीब 3000 साल पुराने वैदिक युग में भी मिलता है।

ऐसे तैयार किया जाता है महाप्रसाद

बता दें कि हिंदू धर्म में मिट्टी को बेहद पवित्र माना गया है। इसलिए भगवान जगन्नाथ का महाप्रसाद मिट्टी के बर्तन में बनाया जाता है। यह प्रथा पुराने समय से चली आ रही है। जिसको आज भी फॉलो किया जा रहा है। भगवान जगन्नाथ का महाप्रसाद बनाने के लिए सात बड़े मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। इन बर्तनों को एक के ऊपर एक करके रखा जाता है। यह महाप्रसाद लकड़ियों पर पकाया जाता है।

बाजारों में बिकता है महाप्रसाद

अगर आप भी अपने दोस्तों या फिर परिवार के लिए भगवान जगननाथ का महाप्रसाद लेना चाहते हैं, तो मंदिर के आनंद बाजार या फिर प्लेजर मार्ट में महाप्रसाद बेचा जाता है। आनंद बाजार या प्लेजर मार्ट मंदिर के बाहरी परिक्षेत्र के उत्तर पूर्वी कोने पर स्थित है।

श्राद्ध के दौरान सबसे पहले अग्नि को क्यों दिया जाता भोजन? कब से शुरु है पितृपक्ष

पौराणिक कहानी के मुताबिक देवतागण और पितरों को पितृपक्ष में लगातर श्राद्ध का भोजन सेवन करने से परेशान हो गए। दोनों को अजीर्ण हो गया। दोनो ही मिलकर ब्राह्मा के पास पहुंचे। है। पितृपक्ष के दौरान अन्न के लिए सबसे पहले अग्नि को भोजन अर्पित करते है। इस लेख में हम आपको बताएंगे अग्नि को भोजन अर्पित करने के पीछे क्या कारण है।

भाद्रपद का माह चल रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि से अमावस्या तक के समय को पितृपक्ष कहा जाता है। पितृपक्ष के दौरान पितरों को स्मरण किया जाता, उनकी विधिवत पूजा-अर्चना करना और तर्पण करने की मान्यता है। धार्मिक मान्याता के अनुसार, पितृपक्ष के दौरान सभी शुभ कार्य बंद किए जाते हैं। इस दौरान पितरों को तृप्त और उनकी आत्मा को शांति के लिए पिंडदान और श्राद्ध किया जाता है। पितृपक्ष के दौरान अन्न के लिए सबसे पहले अग्नि को भोजन अर्पित करते है। इसके सबसे पहले गोबर का कंड़ा जलाया जाता है इसके बाद अग्नि में भोजन के टुकड़े डालकर जल की छीटें मारकर अग्निदेव को समर्पित करते हैं। इतना ही नहीं कुते, कौए, गाय और चीटी को भी भोजन कराया जाता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे अग्नि को भोजन अर्पित करने के पीछे क्या कारण है।

पितृपक्ष में सबसे पहले अग्नि को भोजन क्यों दिया जाता?

एक पौराणिक कहानी के मुताबिक, देवतागण पितरों को पितृपक्ष में लगातर श्राद्ध का भोजन सेवन करने से परेशान हो गए। दोनों को अजीर्ण हो गया। दोनो ही मिलकर ब्राह्मा के पास पहुंचे। ब्राह्मा जी ने कहा, इसका उपाय अग्निदेव के पास है, इसलिए हमें उनके शरण में जाना चाहिए। सभी अग्नि देव के पास गए तो अग्निदेव ने कहा कि अब से हम लोग साथ में, देवता, पितृ और मैं भोजन करेंगे, जिससे अजीर्ण नहीं होगा। यही कारण श्राद्ध को दौरान सबसे पहले अग्नि को भोजन दिया जाता है।

श्राद्ध कर्म दोपहर में करना अच्छा माना जाता है

दरअसल, शास्त्रों में बताया गया कि दोपहर में श्राद्ध कर्म करने के लिए सबसे बढ़िया होता है। क्योंकि दोपहर में पितर देवता पूरे प्रभाव में होते हैं। माना जाता है कि पितर देव सूर्य की किरणों से भोग ग्रहण करते हैं। इसी वजह से दोपहर में धूप-ध्यान से पितर अपना भोजन अच्छे से ग्रहण करते हैं।

मायने रखती हैं छोटी-छोटी चीजें, रिश्तों में भर देती हैं प्यार

छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने से रिश्ते को मजबूत और स्वस्थ रखने में मदद मिलती है। आपका एक छोटा सा इशारा आपके साथी का दिन बना सकता है। चाहे चाय बनाना हो या कोई अच्छा नोट छोड़ना हो, दयालुता और ध्यान के ये छोटे-छोटे पल आपके साथी को याद दिलाते हैं कि वे मायने रखते हैं।

हम आमतौर पर बड़ी-बड़ी चीजों पर जोर देते हैं, लेकिन छोटी-छोटी चीजें और शब्द रिश्तों में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। शुक्रिया कहना, साथी को देखकर मुस्कुराना या फिर एनिवर्सरी या कोई जरुरी तारीख याद रखना जैसी छोटी बातें रिश्तों में प्यार भरने के लिए काफी होती हैं। हां, ये छोटी-छोटी चीजें बहुत से लोगों को जरुरी नहीं लगती हैं, लेकिन ध्यान रहें समय के साथ यहीं चीजें रिश्ते में विश्वास और प्यार बढ़ाती हैं।

छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने से रिश्ते को मजबूत और स्वस्थ रखने में मदद मिलती है। आपका एक छोटा सा इशारा आपके साथी का दिन बना सकता है। चाहे चाय बनाना हो या कोई अच्छा नोट छोड़ना हो, दयालुता और ध्यान के ये छोटे-छोटे पल आपके साथी को याद दिलाते हैं कि वे मायने रखते हैं। समय के साथ, ये छोटी-छोटी बातें एक गहरा रिश्ता बनाने में मदद करती हैं।

मनोचिकित्सक सदाफ सिद्दीकी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उन छोटी-छोटी बातों के बारे में बताया हैं, जो रिश्तों में बहुत मायने रखती हैं। इन्हें साझा करते हुए उन्होंने लिखा कि जीवन में, मुझे बार-बार याद दिलाया जाता है कि छोटी चीजें वास्तव में कितनी बड़ी होती हैं।

सिद्दीकी ने कहा कि अपने साथी से बात करें। उनसे पूछे कि उनका दिन कैसा रहा और जब वो इसके बारे में बता रहे हो तो सिर्फ उनकी बातें सुनें। अगर कोई काम कर रहे हैं तो उसे छोड़ दें या फिर उसे पूरा करने के बाद पार्टनर से आराम से बात करें।

सिद्दीकी ने आगे बताया कि छोटी-छोटी चीजों के लिए साथी को शुक्रिया कहने से फर्क पड़ता है। बहुत से लोगों को ये जरुरी नहीं लगता, लेकिन ये जरुरी है। जितना हो सके उतनी चीजों के लिए अपने पार्टनर को धन्यवाद कहें। इससे आपका पार्टनर आपसे ज्यादा जुड़ाव महसूस करेगा।

सदाफ ने कहा कि झगड़े हर रिश्ते में होते हैं और इस दौरान यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि आप अपने पार्टनर की बात सुनें। अपने पार्टनर की बात को महत्व देने का मतलब यह नहीं है कि आप उनके नज़रिए से सहमत हैं, लेकिन इससे दूसरे व्यक्ति को ऐसा महसूस होता है कि आप उनके पक्ष में हैं।

सदाफ ने कहा कि अपने साथी में जो आप पसंद करते हैं, उसके बारे में सच्ची तारीफ करें, फिर चाहें उनकी प्रतिभा, व्यक्तित्व, शारीरिक विशेषताएं, आदि। इससे उन्हें महसूस होता है कि आप उन्हें नोटिस कर रहे हैं। इसके अलावा अपने साथी की अनोखी प्रेम भाषाओं को जानना और उनका सम्मान करना भी जरुरी है।

एयरपोड्स 4 हुए 30 घंटे की बैटरी के साथ लॉन्च, एयरपोड्स मैक्स, एयरपोड्स प्रो में हुए कई बदलाव

AirPods 4 नया वियरेबल बेस एयरपॉड्स पर एक्टिव नॉयज कैंसलेशन (ANC) की शुरुआत के अलावा सुनने के अनुभव को बेहतर करता है। ये मशीन लर्निंग फीचर्स और जेस्चर कंट्रोल का भी सपोर्ट करते हैं।

एपल ने सोमवार को कंपनी के इट्स ग्लोटाइम इवेंट में AirPods 4 को पेश किया है। नया वियरेबल बेस एयरपॉड्स पर एक्टिव नॉयज कैंसलेशन (ANC) की शुरुआत के अलावा सुनने के अनुभव को बेहतर करता है। ये मशीन लर्निंग फीचर्स और जेस्चर कंट्रोल का भी सपोर्ट करते हैं। एपल पार्क में AirPods 4 को पेश करने के लिए AirPods Max पर लाइटनिंग पोर्ट की जगह यूएसबी टाइप-सी पोर्ट को शामिल किया है।

AirPods 4 की भारत में कीमत

AirPods 4 दो वेरिएंट में मौजूद हैं। AirPods 4 की कीमत भारत में 12,900 रुपये है। ये कीमत ANC के बिना है। जबकि ANC वाले AirPods 4 की कीमत 17,900 रुपये है। Apple का नया ऑडियो प्रोडक्ट आज से प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है, जिसकी बिक्री 20 सितंबर से शुरू होगी।

AirPods 4 में एक ट्रांसपेरेंसी मोड के अलावा एक्टिव नॉयज कैंसलेशन दिया गया है। ये एपल के H2 चिप पर काम करते हैं और इसमें एक नया एकोस्टिक आर्किटेक्चर है जिसके बारे में दावा किया जाता है। ये साउंड की क्वालिटी में सुधार करेगा। AirPods पर्सनलाइज स्पेटियल ऑडियो, एडेप्टिव ऑडियो और कन्वर्सेशनल अवेयरनेस भी प्रदान करता है।

Apple के नए TWS इयरफोन भी मशीन लर्निंग के साथ आते हैं, जिससे यूजर्स जेस्चर के जरिए सिर हिलाकर कॉल ले सकते हैं। एयरपोड्स वॉयस आइसोलेशन और फोर्स सेंसर भी पेश करते हैं। कंपनी ने एक नाय यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग केस पेश किया है जो कुल 30 घंटे का प्लेटाइम देता है। इसके अलावा एयरपोड्स 4 अब वायरलेस चार्जिंग कैपेसिटी का भी सपोर्ट करता है।

खाना ढंग से चबाने से क्या वजन घटाने में मदद मिलती है, जानें ये 5 कारण

जब आप अपने भोजन को अच्छी तरह से चबाते हैं, तो यह स्वाभाविक रूप से आपके खाने की गति को धीमा कर देता है, जो वजन प्रबंधन के लिए फायदेमंद है।

भोजन को अच्छी तरह से चबाना आश्चर्यजनक रूप से प्रभावी लेकिन अक्सर नजरअंदाज की जाने वाली रणनीति है जो वजन घटाने में महत्वपूर्ण सहायता कर सकती है। जब आप अपने भोजन को अच्छी तरह से चबाते हैं, तो यह स्वाभाविक रूप से आपके खाने की गति को धीमा कर देता है और कैलोरी की मात्रा कम कर देता है, जो वजन प्रबंधन के लिए फायदेमंद है। 1900 की शुरुआत में, होरेस फ्लेचर नाम के एक स्व-घोषित ₹आर्थिक पोषण विशेषज्ञ₹ ने सिफारिश की, ₹प्रत्येक काटने को द्रवीकरण के बिंदु तक चबाएं, फिर अनैच्छिक रूप से निगल लें।₹ अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, मोटापे से पीड़ित लोग दुबले लोगों की तुलना में कम चबाते हैं। इसके अलावा, जब शोध टीम ने सभी को प्रत्येक टुकड़े को 40 बार चबाने के लिए कहा, तो अध्ययन में शामिल दुबले और मोटे दोनों लोगों ने कम खाया।

तृप्ति बढ़ाता है

धीरे-धीरे और अच्छी तरह चबाने से आपके मस्तिष्क को यह दर्ज करने के लिए अधिक समय मिलता है कि आप खा रहे हैं। मस्तिष्क को पेट से संकेत प्राप्त करने में लगभग 20 मिनट लगते हैं कि आपका पेट भर गया है। धीरे-धीरे खाने से, आप बहुत अधिक खाने से पहले खुद को भरा हुआ महसूस करने का समय देते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि जो लोग जल्दी-जल्दी खाते हैं वे एक ही भोजन में अधिक कैलोरी का उपभोग करते हैं क्योंकि उनके दिमाग को तृप्ति का संकेत देने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता है।

पाचन में सुधार करता है

अपने मुंह में भोजन को ठीक से पचाने से पाचन तंत्र के लिए इसे संसाधित करना आसान हो जाता है, जिससे पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर हो सकता है। बेहतर पाचन और पोषक तत्वों के उपयोग से खाने की लालसा और अधिक खाने की ज़रूरत कम हो सकती है।

ज़्यादा खाने से बचें

शोध से पता चला है कि जो लोग अपने भोजन को अच्छी तरह चबाते हैं, वे भोजन के दौरान कम कैलोरी का सेवन करते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि धीरे-धीरे खाने से भूख कम लगती है, जिससे ज़्यादा खाने से बचा जा सकता है। जब भोजन को ठीक से चबाया नहीं जाता है, तो यह आपके पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है, जिससे पेट फूलना और अपच हो सकता है। खराब पाचन के कारण पोषक तत्वों का अवशोषण भी अधूरा रह जाता है, जिससे कभी-कभी भूख लगने लगती है।

रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करता है

भोजन को ठीक से चबाने से पोषक तत्वों का अधिक धीरे-धीरे अवशोषण हो सकता है, जिससे रक्त शर्करा में वृद्धि को रोका जा सकता है। स्थिर रक्त शर्करा का स्तर ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने और लालसा को नियंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से मीठे और उच्च कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों के लिए। अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन के अनुसार, रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव से भूख बढ़ सकती है और अधिक खाने की संभावना बढ़ सकती है, विशेष रूप से अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ।

सचेत भोजन करना

ध्यानपूर्वक भोजन करने से आपको खाने के अनुभव पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है - स्वाद, बनावट और संवेदनाएं- बजाय ऑटोपायलट पर या आदत से बाहर खाने के। जब आप अपने भोजन को अच्छी तरह से चबाते हैं, तो आप जो खा रहे हैं उसके बारे में अधिक जागरूक हो जाते हैं, जिससे यह पहचानना आसान हो जाता है कि आपका पेट भरा हुआ है या संतुष्ट है। यह बिना सोचे-समझे नाश्ता करने और अधिक खाने से रोकने में मदद कर सकता है, जो वजन घटाने के प्रयासों में आम बाधाएं हैं।

कुल मिलाकर, अपने भोजन को अच्छी तरह से चबाने की सरल आदत न केवल पाचन और पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाती है, बल्कि भूख को नियंत्रित करने, तृप्ति में सुधार करने और अधिक खाने से रोकने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, ये सभी सफल वजन घटाने में योगदान दे सकते हैं।

त्वचा के लिए एलोवेरा या मलाई क्या सबसे बेहतर क्या है? जानें एक्सपर्ट की राय

परिवहन विशेष

अपनी त्वचा की देखभाल के लिए मलाई या एलोवेरा चुनने से पहले, आपको इन प्राकृतिक चीजों के व्यक्तिगत लाभों के बारे में पता होना चाहिए। एलोवेरा चेहरा पर लगाने से क्या होता है और मलाई चेहरे पर लगाने से क्या होता है। एलोवेरा और मलाई हमारे घरों में सबसे आसानी से उपलब्ध होने वाले दो पदार्थ हैं जो हमारी त्वचा का इलाज कर सकते हैं।

अगर आप के पास त्वचा देखभाल के लिए समय नहीं है? तो आप इन बातों को ध्यान में रखकर आप भी बेदाग त्वचा पा सकते हैं। होममेड टिप्स के माध्यम से त्वचा देखभाल और स्वस्थ लाइफस्टाइल विकल्प आपकी त्वचा की मरम्मत कर सकते हैं, प्राकृतिक उम्र बढ़ने को धीमा करने में मदद कर सकते हैं और विभिन्न प्रकार की त्वचा समस्याओं से बच सकते हैं। एलोवेरा और मलाई हमारे घरों में सबसे आसानी से उपलब्ध होने वाले दो पदार्थ हैं जो हमारी त्वचा का इलाज कर सकते हैं। नियमित या साप्ताहिक आधार पर इन उत्पादों को हमारे चेहरे की त्वचा पर लगाने से सनबर्न, मुंहासे और एक्जिमा जैसी त्वचा की समस्याओं के इलाज में मदद मिल सकती है। आइए जानते हैं एलोवेरा या मलाई क्या फायदेमंद है।

स्किन के लिए एलोवेरा के लाभ

इसमें विटामिन ई, ए, सी और बी 12 के साथ-साथ एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं जो त्वचा की चोटों और घावों से होने वाले दर्द, सूजन और खराश से राहत दिलाने में मदद करते हैं और साथ ही कोलेजन के विकास को भी बढ़ावा देते हैं। एलोवेरा का एंटीऑक्सीडेंट कार्य हमारी त्वचा को सूरज की क्षति और विकिरण से बचाता है, साथ ही उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी धीमा करता है। इसकी उच्च जल सामग्री त्वचा को हाइड्रेट और मॉइस्चराइज करने में सहायता करती है।

स्किन पर मलाई लगाने के फायदे

मलाई सिर्फ सफेद या पीले रंग की जमा हुई क्रीम है। इसे शुद्ध और गैर-होमोजेनाइज्ड दूध को 180 डिग्री सेल्सियस पर उबालकर तैयार किया जाता है। क्रीम के ठंडा होने के बाद, उबलने की प्रक्रिया के ऊपर प्रोटीन और वसा की एक जमा हुई परत बन जाती है और ऊपर से धीरे से हटा दी जाती है, जिससे मलाई बनती है।

मलाई आपको चमकदार त्वचा प्रदान करती है, जो रेशमी और कोमल होती है। चमकदार स्किन पाने के लिए बस एक बड़ा चम्मच बेसन और मलाई मिलाएं और 20 मिनट तक लगाएं। यदि आप इसे सप्ताह में एक या दो बार करते हैं, तो अंततः आपको चमकदार फिनिश के साथ चिकनी, कोमल त्वचा मिलेगी। मलाई का उपयोग प्राकृतिक क्लींजर के रूप में भी किया जाता है क्योंकि यह छिद्रों को खोलता है और त्वचा की सतह से धूल को तुरंत हटा देता है, मुंहासे और अन्य कणों को रोकता है। परिणामस्वरूप, यह एक प्राकृतिक एक्सफोलिएंट, टैन रिमूवर और त्वचा मॉइस्चराइजर के रूप में कार्य करता है।

एलोवेरा और मलाई- कौन सा बेहतर है?

एलोवेरा और मलाई दोनों ही त्वचा के लिए लाभकारी हैं, लेकिन वे बनावट, अनुप्रयोग और अन्य कारकों में भिन्न हैं। उन्हें उनके प्राकृतिक रूप में निकाला और उपयोग किया जाता है, हालांकि एलोवेरा का उपयोग आमतौर पर त्वचा और बालों के लाभ के लिए किया जाता है क्योंकि यह जल्दी से हमारी त्वचा में घुलमिल जाता है। इसकी चिपचिपी जेल बनावट त्वरित अवशोषण की अनुमति देती है, इसलिए परिणाम तेजी से और कम शिकायतों के साथ देखे जा सकते हैं। दूसरी ओर, मलाई भी जैविक रूप से निकाली जाती है और त्वचा को कई पोषक तत्व प्रदान करती है। हालांकि, इसकी भारी बनावट के कारण, यह त्वचा पर वसा की एक परत छोड़ सकता है, उच्च वसा सामग्री के कारण धूल को आकर्षित कर सकता है, इसलिए तैलीय और मुंहासे वाली त्वचा के लिए ठीक नहीं है।

दिल्ली में सरकारों की गलत नीतियों से परेशान दिल्लीवालों की लड़ाई लड़ने के संबध में मासिक बैठक हुई

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में आज सभी 14 जिला कांग्रेस कमेटियों में संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों, संगठनात्मक मजबूती और केन्द्र और दिल्ली सरकारों की गलत नीतियों से परेशान दिल्लीवालों की लड़ाई लड़ने आदि की चर्चा के संबध में मासिक बैठक हुई। जिला बैठकों में पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, निगम पार्षद, पूर्व निगम पार्षद, ब्लाक अध्यक्ष, जिला एवं ब्लाक पदाधिकारी, अग्रिम संगठनों के अध्यक्ष, सेल एवं विभागों के चेयरमैन और पदाधिकारी सहित क्षेत्रीय लोगों ने जिला की बैठकों में शिरकत की।

सभी जिला कांग्रेस कमेटियों की बैठकें जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

जिला की बैठकों में देवेन्द्र यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि मैं दिल्ली की जनता से अपील करता हूॅ कि जब सरकारें काम नही कर रही है, तो जनता की नैतिक जिम्मेदारी है, वो उन्हें बदलकर काम करने वाली, दिल्ली का विकास करने वाले राजनीतिक दल को जिम्मेदारी सौंपे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लगातार संघर्ष के बाद दिल्ली में जो माहौल बन रहा है, उससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में दिल्ली में बदलाव लाने के लिए भरपूर उत्साह और जोश पनप रहा है। उन्हांने कहा कि कार्यकर्ताओं की कर्मठता व कर्तव्यनिष्ठा के कारण ही जनता कांग्रेस की बात कर रहे हैं और जनता हाथ के साथ दिल्ली के हालात बदलने को तैयार बैठी है।

उन्होने कहा कि दिल्ली को भ्रष्टाचार, अत्याचार, कुशासन, बदहाली, महंगाई, बेरोजगारी जैसी जटिल समस्याओं से मुक्ति दिलाने के लिए आगामी विधानसभा चुनावों में दिल्ली वाले खुलकर सामने आए और आम आदमी पार्टी और भाजपा के खिलाफ वोट करें। यादव ने आप पार्टी की दिल्ली सरकार की नाकामियों को जन-जन तक पहॅुचाने और युवाओं, महिलाओ, मजदूरों और किसानों को न्याय दिलाने के लिए दिल्लीवालों से अपील विशेष अपील करते हुए कहा कि कांग्रेस सत्ता में आते ही पुनः दिल्ली में किए गए 15 वर्ष के विकास को दोहराऐगी। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से विफल दिल्ली की आम आदमी पार्टी और भाजपा ने दिल्ली को बदहाल बना दिया है, न पीने को पानी, न चलने को गलियां और सड़के है, जलभराव और उफनते नालों और सड़कां पर भरे पानी से दिल्ली में रहने वाले हादसों का शिकार हो रही है और मरने वालों के प्रति सरकारें संवेदना प्रकट करने और जिम्मेदारी लेने की जगह भाजपा और आम आदमी पार्टी अपने राजनीतिक हितों के लिए सिर्फ आरोप प्रत्यारोप कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिला की बैठकों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी से साफ हो गया है कि आने वाला समय कांग्रेस का है। लोग भाजपा की तानाशाही, संविधान विरोधी गतिविधियों और आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार, दलित विरोधी नीतियों, गरीबों के अधिकारों के हनन व दिल्ली के रुके स्थायी विकास और दिल्ली के ढहते इन्फ्रास्ट्रक्चर से चिंतित है और उन्हें मालूम पड़ गया है कि भाजपा और आम आदमी पार्टी के शासन में उनका भविष्य सुरक्षित नही है।

बुखार के मामले कुछ बढ़े हैं परंतु अभी घबराने वाली कोई बात नहीं है : सौरभ भारद्वाज

सुषमा रानी

नई दिल्ली, 10 सितंबर दिल्ली सरकार के अस्पतालों में डेंगू के मरीज के लिए उपचार व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने हेतु लगातार दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज अस्पतालों का दौरा कर रहे हैं I इसी सिलसिले में आज स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल का औचक निरीक्षण किया I मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अस्पताल प्रशासन से डेंगू के मरीजों के उपचार के लिए अस्पताल में की गई व्यवस्था के बारे में जानकारी ली I अस्पताल प्रशासन ने बताया, कि अस्पताल में डेंगू के मरीजों के लिए अलग से कमरे की व्यवस्था की गई है, ताकि अन्य मरीजों को डेंगू फैलने का खतरा न हो I मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि अस्पताल में मंकी पॉक्स का केवल एक मरीज है, उस मरीज की स्थिति स्थिर है, किसी प्रकार की घबराने वाली बात नहीं है I मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अस्पताल में मौजूद मरीजों एवं उनके परिजनों से प्रत्यक्ष रूप से बात की और हमेशा की तरह अस्पताल की वास्तविक स्थिति के बारे में जानने की कोशिश की I अस्पताल में भर्ती मरीजों ने एवं उनके परिजनों ने साफ-सफाई के मामले में अपनी संतुष्टि प्रकट की I इसी प्रकार से मंत्री सौरभ भारद्वाज ने जब मरीज और उनके परिजनों से अस्पताल में मिलने वाले खाने की गुणवत्ता पर प्रश्न पूछे तो सभी मरीजों ने खाने की गुणवत्ता को लेकर भी अपनी संतुष्टि जताई I मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अस्पताल प्रशासन से भी बात कर यह जानने की कोशिश की, कि अस्पताल में किसी प्रकार की कोई समस्याएं या कोई कमी तो नहीं आ रही है I मंत्री सौरभ भारद्वाज ने पर्चे की लाइन में लगे मरीजों से भी बात की, कुछ मरीजों ने पूरी दवाइयां नहीं मिलने की शिकायत की I

अस्पताल में डेंगू और मंकी पॉक्स से जुड़े मामलों का संज्ञान लेने तथा उनके उपचार की व्यवस्थाओं का जायज़ा लेने के लिए आज मंत्री सौरभ भारद्वाज ने लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल का औचक निरीक्षण किया था I मंत्री सौरभ भारद्वाज ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रशासन से बातचीत कर डेंगू और मंकी पॉक्स के मौजूद मरीजों के संबंध में जानकारी हासिल की तथा साथ ही साथ इन मरीजों के लिए अस्पताल में की गई उपचार व्यवस्थाओं के बारे में भी जानकारी ली I अस्पताल प्रशासन ने बताया कि मंकी पॉक्स का केवल एक ही केस अस्पताल में आया है और उस मरीज की हालत भी स्थिर है, घबराने की कोई बात नहीं है I इसी प्रकार से बुखार के मामलों में कुछ बढ़ोतरी हुई है, परंतु स्थिति नियंत्रण में है, किसी भी प्रकार से घबराने वाली कोई स्थिति अभी नहीं है I साथ ही साथ अस्पताल प्रशासन ने मंत्री सौरभ भारद्वाज को बताया कि डेंगू के मरीजों के लिए अस्पताल में अलग से कमरे की व्यवस्था की गई है, ताकि अस्पताल में मौजूद अन्य मरीजों को डेंगू का खतरा न हो, साथ ही साथ डेंगू के मरीजों के उपचार के लिए सभी दवाइयां और सुविधाएं तैयार हैं।

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दवाई की खिड़की पर लाइन में खड़े कुछ मरीजों से बातचीत कर दवाइयां की स्थिति के बारे में जानने की कोशिश की I लाइन में खड़े लोगों ने बताया की दवाई देने में बहुत समय लगाया जाता है I एक-एक व्यक्ति को डेढ़ से दो घंटे दवाई की लाइन में खड़ा होना पड़ता है, तब जाकर दवाई मिलती है I साथ ही साथ कुछ लोगों ने सभी दवाइयां ना मिलने की भी शिकायत की I उन्होंने कहा कि जो दवाइयां महंगी होती है, वह दवाइयां बाहर से खरीदने के लिए कह दिया जाता है I लाइन में लगे लोगों ने बताया कि ऐसा अक्सर होता रहता है I पर्चे में लिखी सभी दवाइयां नहीं मिलती, कुछ दवाइयां बाहर से खरीदने के लिए कह दिया जाता है । मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मरीजों की शिकायत का तुरंत संज्ञान लेते हुए अस्पताल प्रशासन से सभी दवाइयां मरीज को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और जो दवाइयां अस्पताल में खत्म हो गई है, उन्हें जल्द से जल्द मंगवाने के निर्देश भी जारी किए, ताकि अस्पताल में इलाज कराने आए सभी मरीजों को सभी दवाइयां मिल सके । साथ ही साथ लाइन में खड़े होने में लगने वाले अधिक समय को व्यवस्थित करने के लिए दवाई के काउंटर और बढ़ाने का सुझाव दिया ।

हाल ही में देखा गया कि कुछ अस्पतालों में हिंसा की घटनाएं हुई, जिसको लेकर पूरे देश मे डाक्टरों में एक नाराजगी पैदा हुई, और डॉक्टर्स एसोसिएशन ने अस्पतालों में डाक्टरों की सुरक्षा के लिए बेहतर व्यवस्था करने की मांग रखी थी I अस्पताल प्रशासन ने बताया कि ऐसी ही घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए अस्पताल में चारों तरफ सीसीटीवी कैमरा लगाए गए हैं और उनकी निगरानी के लिए एक कंट्रोल रूम की स्थापना भी की गई है । अस्पताल प्रशासन ने मंत्री सौरभ भारद्वाज को इस सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी दी I मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कंट्रोल रूम में जाकर सभी सीसीटीवी कैमरा की गतिविधियों को देखा, साथ ही साथ अस्पताल प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर अपनाई गई इस पद्धति की पूरी विधि को समझा I अस्पताल प्रशासन ने मंत्री सौरभ भारद्वाज को बताया की 24 घंटे एक व्यक्ति इन सभी सीसीटीवी कैमरा की निगरानी करता रहता है I जहां कहीं भी कोई संदिग्ध गतिविधि या किसी प्रकार की कोई अव्यवस्था देखी जाती है, तुरंत प्रभाव से प्रशासन को सूचित किया जाता है और परिस्थिति को नियंत्रित करने के लिए तुरंत प्रभाव से अस्पताल प्रशासन की ओर से कार्यवाही की जाती है ।

मंत्री सौरभ भारद्वाज में अस्पताल प्रशासन से भी उनकी समस्याओं के बारे में बातचीत की I अस्पताल प्रशासन में बताया कि अस्पताल में मौजूद मरीजों के परिजनों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण अवस्था होती है और काम करने में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है I साथ ही साथ अस्पताल प्रशासन ने सुझाव दिया कि मरीज के परिजनों के लिए हर वार्ड के साथ अलग से एक प्रतीक्षा कक्ष का यदि निर्माण कर दिया जाए तो उनके ठहरने की व्यवस्था भी हो

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि जब अस्पताल में निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में मौजूद मरीजों से एवं उनके परिजनों से अस्पताल की साफ सफाई के बारे में प्रश्न पूछे तो लगभग सभी मरीज अस्पतालों की सफाई को लेकर संतुष्ट नजर आए I मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि जब उन्होंने मरीजों से पूछा कि यह सफाई रोजाना इसी प्रकार से होती है या आज मेरे निरीक्षण के कारण ऐसी की गई है, तो मरीज और उनके परिजनों ने बताया, कि नहीं अस्पताल की सफाई निरंतर होती रहती है और अस्पताल में साफ सफाई की अच्छी व्यवस्थाएं हैं।

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने निरीक्षण के दौरान दवाइयां और उपचार की व्यवस्थाओं के साथ-साथ मरीजों से अस्पताल में मिलने वाले खाने की गुणवत्ता के बारे में भी बातचीत की । मंत्री सौरभ भारद्वाज ने खाने के समान की जांच भी थी और साथ ही साथ अस्पताल में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों से खाने की गुणवत्ता के बारे में बातचीत की I सभी मरीजों एवं उनके परिजनों ने खाने की गुणवत्ता को लेकर संतुष्टि जताई I मरीजों ने बताया कि सुबह नाश्ता, दोपहर को खाना और रात को खाना कुल तीन समय खाना मिलता है I खाने की क्वालिटी अच्छी होती है I खाने में मरीजों को पौष्टिक आहार दिए जाते हैं, जिससे कि उनके स्वस्थ होने की क्षमता दुगनी हो सके I सभी मरीज और परिजन अस्पताल प्रशासन द्वारा दिए जा रहे भोजन से और उसकी गुणवत्ता से संतुष्ट नजर आए ।

सीएम केजरीवाल से भाजपा डरती है, क्योंकि उन्होंने बेटा बनकर दिल्ली की सेवा की है-आतिशी

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली में राष्ट्रपति शासन की खबरों पर साझा करते हुए वरिष्ठ आप नेता व दिल्ली कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि, भाजपा चोर दरवाजे से दिल्ली की चुनी हुई सरकार को बर्खास्त करना चाहती है। उन्होंने कहा कि, भाजपा का एक मात्र काम चुनी हुई विपक्षी सरकारों को गिराना है।

आतिशी ने कहा कि, भाजपा दिल्ली में आम आदमी पार्टी के विधायक नहीं ख़रीद सकी इसलिए अब दिल्ली की चुनी हुई सरकार को गिराने के लिए षड्यंत्र शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि, अगर भाजपा षड्यंत्र रचकर अरविंद केजरीवाल की सरकार गिराएगी तो आने वाले चुनावों में दिल्ली की जनता भाजपा को मुंहतोड़ जबाव देगी। यदि दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगा तो आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीरो सीटें आयेंगी।

आतिशी ने कहा कि, भाजपा का एक ही काम है, चुनी हुई सरकारों को गिराने का काम। भाजपा जहां चुनाव नहीं जीतती वहाँ विधायकों के ख़रीद-फ़रोख़्त करने की कोशिश करती है, चोर दरवाज़े से सरकार बनाने का प्रयास करती है। ये काम भाजपा ने दिल्ली में भी किया लेकिन सफल न हो सकी।

उन्होंने कहा कि, दिल्ली में भाजपा आम आदमी पार्टी के विधायक नहीं ख़रीद सकी इसलिए अब भाजपा ने दिल्ली की चुनी हुई सरकार को गिराने का षड्यंत्र शुरू कर दिया है।

आतिशी ने कहा कि, ₹मैं भाजपा को ये बता दूँ कि, दिल्ली के लोग ये सब षड्यंत्र देख रहे है। दिल्ली के लोगों को पता है कि यदि उनके लिए कोई एक आदमी काम करता है तो वो अरविंद केजरीवाल है। अगर उन्हें कोई 24 घंटे बिजली देता है, फ्री बिजली देता है, उनके बच्चों को अच्छे स्कूल देता है, मोहल्ला क्लीनिक में फ्री इलाज देता है, बुजुर्गों को तीर्थ-यात्रा करवाता है तो वो सिर्फ़ और सिर्फ़ अरविंद केजरीवाल है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने बेटा बनकर दिल्ली की सेवा की है, इसलिए भाजपा उनसे डरती है।₹

उन्होंने कहा की, अगर भाजपा षड्यंत्र रचकर अरविंद केजरीवाल की सरकार गिराएगी तो आने वाले चुनावों में दिल्ली की जनता भाजपा को मुंहतोड़ जबाव देगी। आज दिल्ली विधानसभा में भाजपा के 8 विधायक है और यदि राष्ट्रपति शासन लगा तो अगली बार भाजपा का सूपड़ा साफ़ होगा और जीरो सीट आएगी। क्योंकि दिल्ली के लोग अरविंद केजरीवाल से प्यार करते है।

भाजपा पहले अपने एलजी से कहकर अफसरों को डराती-धमकाती है और फिर नोटिस दिलवाती है

सुषमा रानी

नई दिल्ली। 10 सितंबर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को मद्रासी कैंप का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा के एलजी द्वारा सैकड़ों झुग्गियां तोड़ने के लिए भिजवाए गए नोटिस से पीड़ति परिवारों से मुलाकात की और उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिया। मनीष सिसोदिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी और दिल्ली सरकार उनके साथ खड़ी है। दिल्ली में जब तक ''आप'' की सरकार है, तब तक किसी को भी बेघर नहीं होने दिया जाएगा। उन्होने कहा कि भाजपा पहले अपने एलजी से कहकर अफसरों को डराती-धमकाती है और फिर नोटिस दिलवाती है। यहां 50-60 साल से हजारों लोग रह रहे हैं। बिना पुनर्वास किए इन्हें विस्थापित नहीं किया जा सकता। आम आदमी पार्टी इनके घरों को बचाने के लिए तानाशाही के खिलाफ सड़क से लेकर कोर्ट तक मजबूती से लड़ेगी। इस दौरान जंगपुरा से ''आप'' विधायक प्रवीन कुमार भी मौजूद रहे।

पुराना बारापुला के पास बसी मद्रासी कैंप में रह रहे लोगों ने मिलने के बाद ''आप'' के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा ने पूरी दिल्ली में आतंक मचा रखा है। भाजपा, एलजी से कहकर अफसरों को डराती-धमकाती हैं और उनसे नोटिस दिलवाती है। इसके बाद भाजपा वाले आकर खुद प्रदर्शन भी करते हैं। उन्होंने कहा कि मद्रासी कैंप 50-60 साल से ज्यादा समय से लोग रह रहे हैं। इनके बच्चों की यहीं रहते शादियां हुई हैं। बिना पुनर्वास की कोई व्यवस्था किए इन लोगों को विस्थापित नहीं जा सकता है, ये गलत हैं। आम आदमी पार्टी इन लोगों के साथ खड़ी है और हम इस तरह इनकी झुग्गियों को नहीं टूटने देंगे।

उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा कि बुलडोजर राज में झुग्गी-झोपड़ी वालों के साथ अन्याय नहीं चलेगा। दिल्ली के मद्रासी कैंप के झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले हजारों लोग दिल्ली का अभिन्न हिस्सा हैं। अगर एलजी स और भाजपा इनके घरों को हटाने या तोड़ने की कोशिश करेगी तो हम बिल्कुल भी नहीं सहेंगे। हम इन लोगों के घरों को बचाने के लिए तानाशाही के खिलाफ डट कर लड़ेंगे। चाहे इसके लिए कोर्ट में लड़ना पड़े या जमीन पर। आम आदमी की सरकार ने जरूरतमंदों के सिर पर छत दी है, लोगों के घर बसाए हैं। फ्री बिजली, पानी और बच्चों को बेहतर शिक्षा दी है। मगर भाजपा ने लोगों के बसे-बसाए घरों को सिर्फ तोड़ा है। शिक्षा का स्तर बद से बदतर किया है। हम इसके खिलाफ अदालत से लेकर सड़क तक लड़ेंगे।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि इन लोगों को प्लॉट देने का वादा किया गया था। इनके छोटे-छोटे बच्चे हैं। इन्हें कैसे उजाड़ा जा सकता है? यही तो भारत के लोग हैं। जब हम 2047 के भारत की बात करते हैं तो क्या इनके बच्चे उस भारत में नहीं आते हैं? ये लोग ऐसे कैसे इनका घर तोड़ सकते हैं? आखिर ये लोग कहां जाएंगे? हम इन झुग्गियों को बिल्कुल नहीं टूटने देंगे। हम कानून लड़ाई भी लड़ रहे हैं। हमारे स्थानीय विधायक ने इन लोगों के लिए वकील भी उपलब्ध कराया है। ये नोटिस पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को डराकर निकलवाया गया है। हम इसे नहीं टूटने देंगे। ये आदेश वापस लिए जाएंगे और उनकी पूरी मदद की जाएगी। अरविंद केजरीवाल इनके बच्चों को पढ़ा रहे हैं, वो इसलिए ऐसा नहीं कर रहे ताकि इनको यहां से उजाड़ दिया जाए।

उप राज्यपाल महोदय को केवल 2 जोन की नहीं बल्कि पूरी दिल्ली में डी सिल्टिंग की जांच करानी चाहिए : सौरभ भारद्वाज

सुषमा रानी

नई दिल्ली: 10 सितंबर दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जो बात दिल्ली के मंत्री और शहरी विकास मंत्री होने के नाते में लगातार चीख चीख कर कई महीनो से बोल रहे थे और कई बार मैंने लिखित में भी इस बात को दिया था, आखिर बहुत सोच विचार के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल महोदय ने उस पर कुछ फैसला लिया I उन्होंने कहा कि मैं लगातार लिखित रूप में और मौखिक रूप से इस बात को कह रहा था, कि दिल्ली में नालों और ड्रेन की डी सिल्टिंग के नाम पर बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है I डी सिल्टिंग केवल कागजों पर हुई है जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं हुआ है I उन्होंने कहा कि मैंने कई बार इस संबंध में मुख्य सचिव नरेश कुमार को पत्र लिखकर भी कहा, कि इसकी थर्ड पार्टी ऑडिट कराई जानी चाहिए, लेकिन एक मंत्री के बार-बार लिखित आदेशों के बावजूद भी डी-सिल्टिंग की थर्ड पार्टी ऑडिट नहीं कराई गई।

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने 28 जून 2024 को हुई एक बैठक का हवाला देते हुए कहा, कि आप सभी लोगों ने सोशल मीडिया और मीडिया पर वह वीडियो देखा होगा I उन्होंने कहा 27 जून की रात को दिल्ली में सबसे अधिक वर्षा हुई और आप सबने उस वीडियो में देखा होगा कि 28 जून को इसी सचिवालय में मैं अन्य मंत्रियों के साथ मुख्य सचिव को इस बात के निर्देश दे रहा हूं, कि आपने अब तक डी-सिल्टिंग की थर्ड पार्टी ऑडिट नहीं कराई है और दिल्ली में डिसिल्टिंग के नाम पर बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है I उन्होंने कहा कि इस जांच करने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार ने जिस व्यक्ति अर्थात दिल्ली के उपराज्यपाल महोदय को सौंप रखी है यह समझ के बिल्कुल पर है कि वह महीनों तक क्या सोच विचार कर रहे थे?

20 मई के अपने एक लिखित आदेश की प्रति पत्रकारों के साथ साझा करते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मैंने लिखित में मुख्य सचिव को निर्देश दिए थे कि सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, पीडब्ल्यूडी, MCD, NDMC, डीडीए, दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड इन सभी विभागों ने कितनी डिसिल्टिंग अब तक की, कार्य पूरा करने की अंतिम तिथि क्या है और कब तक यह कार्य पूरा हो जाएगा, इस संबंध में एक रिपोर्ट 7 दिन के भीतर मुझे दी जाए, परंतु मुख्य सचिव की ओर से मुझे कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई I उन्होंने कहा कि मैंने 5 जून को एक और पत्र मुख्य सचिव को लिखा की लगभग 15 दिन हो चुके हैं, अब तक मुझे कोई रिपोर्ट आपकी ओर से प्राप्त नहीं हुई I उन्होंने कहा कि यह बेहद ही हास्यास्पद और निराशाजनक है, कि मुख्य सचिव एक मंत्री को इस संबंध में जवाब देते हुए कहते हैं, क्योंकि आचार संहिता लगी हुई है और इस संबंध में रिपोर्ट हमने हाई कोर्ट में दाखिल कर दी है तो हम मंत्री को रिपोर्ट क्यों दें I मंत्री सौरव भारद्वाज ने कहा कि 13 जून को मैंने एक बार फिर मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा कि मुझे उन सभी नालों की सूची दी जाए जिन नालों की डी-सिल्टिंग अब तक की जा चुकी है, उसके बावजूद भी सारी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई और ना ही नालों की डी सिल्टिंग कराई गई ।

28 जून को हुई एक अन्य बैठक का हवाला देते हुए मंत्री सौरव भारद्वाज ने कहा कि उसे बैठक में मुझे मुख्य सचिव जी मिले, और बैठक में मंत्री गोपाल राय, मंत्री इमरान हुसैन और मंत्री अतिथि भी मौजूद थी । उन्होंने कहा कि मैंने इस बैठक में भी मुख्य सचिव को कहा कि कहीं कोई भी डी सिल्टिंग नहीं हुई है और डी सिल्टिंग के नाम पर एक बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है ।

उन्होंने कहा कि इतने महीनों के बाद और लगातार लिखित रूप में और मौखिक रूप से कहने के बाद कल जाकर दिल्ली के उपराज्यपाल महोदय जागे हैं और उन्होंने साउथ वेस्ट वन और साउथ वेस्ट टू, दो डिविजनों की जांच करने के आदेश दिए हैं I मंत्री सौरभ भारद्वाज ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि मैं कई महीने से लगातार इस संबंध में शिकायत कर रहा हूं और इतने महीना बाद भी उपराज्यपाल महोदय ने जांच के आदेश दिए तो केवल दो डिवीजन के आदेश दिए, जबकि पूरी दिल्ली में कहीं भी पूरी डी सिल्टिंग नहीं हुई है, पूरी दिल्ली में जहां-जहां डी सिल्टिंग करने की बात कही गई है, उन सभी की जांच होनी चाहिए I मीडिया के माध्यम से मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अपराज्यपाल महोदय से निवेदन करते हुए कहा कि इस मामले में 48 घंटे के भीतर दोषी अधिकारी का नाम दिल्ली की जनता के सामने रखा जाए, जिसने डी सिल्टिंग के नाम पर करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार किया और दिल्ली की जनता को धोखा दिया ।

पान, गुटखा खाने वाले सावधान! गुरुग्राम के नागरिक अस्पताल में थूकने पर जेब करनी होगी ढीली

गुरुग्राम के नागरिक अस्पताल में सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर अस्पताल का मैनेजमेंट अलर्ट हो रहा है। नागरिक अस्पताल में प्रबंधन द्वारा कड़े नियम बनाए जा रहे हैं। गेट के बाहर अब तलाशी होगी। इसके अलावा जो लोग पान और गुटखा खाते हैं। ऐसे लोग अगर अस्पताल परिसर में थूकते हुए पाए गए तो उन पर जुर्माना किया जाएगा।

गुरुग्राम। नागरिक अस्पताल में सुरक्षा व स्वच्छता को लेकर अस्पताल प्रबंधन सर्तक हो रहा है। जहां एक ओर इमरजेंसी के गेट के बाहर मरीजों और तीमारदारों की तलाशी की व्यवस्था की गई है।

वहीं दूसरी ओर से परिसर के अंदर कोई पान मसाले के पीक मारता या सिगरेट का धुंआ उड़ाता मिला तो जुर्माना लगाया जाएगा। इतना ही नहीं पुलिस विभाग द्वारा अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों को भी रात के समय व्यवस्थाओं को दुरुस्त प्रशिक्षित किया जा रहा है।

अस्पताल में पुलिसकर्मियों की संख्या छह से हुई 14

दैनिक जागरण की ओर से नागरिक अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रात में पड़ताल की गई थी। इसमें कई अव्यवस्थाएं सामने आई थी। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन से लेकर पुलिस विभाग हरकत में आया था। अस्पताल में पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़कर छह से 14 की गई।

रेहड़ी ऑटो की भीड़ हटाने के लिए दो पुलिस कर्मी तैनात

इसके अलावा पुलिसकर्मी (Gurugram Police) अब स्वयं रात में अस्पताल का जायजा ले रहे है और मौके पर मौजूद गार्डों की जांच कर रिपोर्ट बना रहे हैं। इसके अलावा अस्पताल के मेन गेट के बाहर रेहड़ी ऑटो की भीड़ हटाने के लिए दो पुलिस कर्मी तैनात रहते हैं। ताकि एंबुलेंस व मरीजों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

शहर के हर क्षेत्र को मेट्रो से जोड़ने की तैयारी

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी में गुरुग्राम मेट्रो का पूरा नेटवर्क होगा। इससे शहर में यातायात सुविधा बेहतर होगी। योजना के अनुसार शहर के हर क्षेत्र को मेट्रो से जोड़ने की तैयारी है। हालांकि पहले चरण में ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना पर काम चल रहा है। इसके बाद सेक्टर-56 से पंचगांव मेट्रो रूट (रैपिड मेट्रो) पर काम होगा। योजना के अनुसार दिल्ली मेट्रो की तरह गुरुग्राम मेट्रो में भी लाइनों के नाम यलो लाइन, ग्रीन लाइन, वायलेट लाइन रखे जा सकते हैं।

शहर का तेजी से विकास हो रहा है और न्यू गुरुग्राम का दायरा भोंडसी तक पहुंच गया है। इसके अलावा गुरुग्राम-सोहना हाईवे पर कई राइज सोसाइटियां बसी हुईं हैं। मानेसर अर्बन क्षेत्र में भी सेक्टरों में तेजी से विकास हो रहा है। ऐसे में शहर में मेट्रो परियोजना को साल 2031 को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार साल 2031 तक शहर की जनसंख्या 42 लाख तक पहुंच जाएगी। ऐसे में पूरे शहर को मेट्रो रेल से जोड़ने की योजना तैयार की गई है। शहर के विकास को देखते हुए गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण ने मोबिलिटी प्लान दो साल पहले बनाया था। इसमें पूरे शहर में मेट्रो संचालित करने की योजना तैयार की गई थी। इसी योजना के अनुसार अब गुरुग्राम मेट्रो को अमलीजामा पहनाया जा रहा है।

पहले गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से साइबर सिटी तक 28.05 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन पर काम शुरू किया है। इस परियोजना को केंद्र सरकार से मंजूरी मिली चुकी है और अलग-अलग चरणों में काम चल रहा है। इसके बाद सरकार द्वारा सेक्टर 56 से पंचगांव मेट्रो परियोजना पर काम कराया जा रहा है। इसकी डीपीआर बनाने का काम चल रहा है। माना जा रहा है कि ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के बाद दूसरे चरण में सेक्टर 56 से पंचगांव तक मेट्रो पर काम शुरू होगा। इसके बाद दोनों अन्य फेज में मेट्रो परियोजना को सिरे चढ़ाया जाएगा। इसमें भोंडसी से राजीव चौक से रेलवे स्टेशन तक मेट्रो प्रस्तावित है।

गुरुग्राम में गुरुग्राम मेट्रो, रैपिड मेट्रो और नमो भारत रैपिड रेल का संचालन होगा। नमो भारत रैपिड मेट्रो दिल्ली से अलवर तक चलेगी और यह केंद्र सरकार की योजना है। पूर्व अभियंता आरएस सिहाग ने कहा कि शहर में मेट्रो परियोजना पर काम तेजी से होना चाहिए था। अभी ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो पर तेजी से कार्य होना चाहिए।

गुरुग्राम में मेट्रो सेवा का ब्योरा (संचालित व प्रस्तावित)

दिल्ली-गुरुग्रामः दिल्ली मेट्रो के गुरुग्राम में पांच स्टेशन है। इस पर मेट्रो का संचालन हो रहा है।

रैपिड मेट्रो (गुरुग्राम)- सिकंदरपुर से सेक्टर 55-56 तक चल रही है।

मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से साइबर सिटी तक गुरुग्राम मेट्रो प्रस्तावित है। इस परियोजना पर काम चल रहा है। इसमें 27 स्टेशन होंगे।

रैपिड मेट्रो का विस्तार- सेक्टर 56 से ग्लोबल सिटी-मानेसर-आईएमटी से पंचगांव तक मेट्रो का संचालन किया जाएगा।

आरआरटीए के तहत दिल्ली-गुरुग्राम-अलवर तक हाईस्पीड रैपिड मेट्रो का संचालन होना है। इस परियोजना पर काम चल रहा है।

गुरुग्राम-फरीदाबाद मेट्रोः इस मेट्रो की घोषणा सरकार ने की हुई है। इसमें घाटा से फरीदाबाद को जोड़ा जाना है। डीपीआर बन चुकी है और आगे का काम होना है।

ईमानदार ऑटो चालक की खूब हो रही सराहना, लालच में न डगमगाया मन; पुलिस की मदद से महिला को मिला खोया बैग

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में एक महिला घर का सामान शिफ्ट करने के दौरान ऑटो में अपना बैग भूल गई। इस संबंध में महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई। उधर, ऑटो चालक ने ईमानदारी का परिचय देते हुए महिला के बैग को थाने में जमा करा दिया। जिसके बाद पुलिस ने महिला को उनका बैग लौटा दिया।

सेक्टर 40 थाना पुलिस के अनुसार, ऑटो चालक मनीरुल जमां ने ईमानदारी का परिचय देते हुए महिला के बैग को थाने में जमा कराया था। वहीं, गुरुग्राम पुलिस और ऑटो चालक की सराहना करते हुए महिला के एक मित्र ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा है।

बैग में थे कई जरूरी सामान

सेक्टर 40 थाना पुलिस ने बताया कि सात सितंबर को एक महिला ने थाने में शिकायत दी कि वह सेक्टर 43 से सेक्टर 45 में घर का सामान शिफ्ट कर रही थीं। इस दौरान ऑटो में उनका एक बैग रह गया था। इस बैग में कई जरूरी दस्तावेज, डेबिट, क्रेडिट कार्ड और सोने की चेन थी।

ऑटो चालक से ऐसे किया गया संपर्क

थाने में तैनात एएसआई रामबीर ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले। ऑटो की नंबर प्लेट से चालक की पहचान करते हुए उससे संपर्क किया गया।

इसके बाद चालक भी सामान से भरा बैग थाने में जमा कर गया। महिला को थाने बुलाकर उनका बैग सौंप दिया गया। इस पर उन्होंने गुरुग्राम पुलिस और ऑटो चालक का धन्यवाद किया।

गाजियाबाद में स्कूल के हॉस्टल से तीन छात्राएं लापता, CCTV फुटेज देख पुलिस हुई हैरान

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद के कस्तूरबा गांधी आवासीय स्कूल से तीन छात्राएं संदिग्ध परिस्थिति में लापता हो गईं। छात्राओं का पता लगाने के लिए पुलिस की टीम लगी हुई है। स्कूल में लगे सीसीटीवी फुटेज भी चेक किए गए हैं लेकिन उनसे ज्यादा कुछ पता चल नहीं पाया है। तीनों छात्राएं कक्षा सात और कक्षा आठ में पढ़ती हैं।

गाजियाबाद। नेहरू नगर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय से तीन छात्राएं संदिग्ध परिस्थिति में लापता हो गईं। सीसीटीवी फुटेज में सामने आया है कि सुबह पांच बजकर पांच मिनट पर तीनों छात्राएं परिसर में दिखीं, लेकिन सुबह करीब साढ़े पांच बजे योग के समय नहीं दिखीं। आनन-फानन छात्राओं की तलाश शुरू की गई। वार्डन सविता त्यागी ने सिहानी गेट थाने में मामले की शिकायत दी है।

सोमवार रात अन्य छात्राओं की तरह कक्षा सात और कक्षा आठ में पढ़ने वाली 12, 14 और 15 वर्षीय छात्राएं सोई थीं। लेकिन सुबह छात्राएं योग के समय नहीं दिखीं। एक साथ तीन छात्राओं के गायब होने पर बेसिक शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया।

सीसीटीवी फुटेज चेक कर रही पुलिस

मामले की सूचना उच्च अधिकारियों को देने के साथ ही पुलिस को भी सूचित किया गया। मौके पर जांच के लिए पहुंची पुलिस ने परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी है।

तीनों छात्राएं आपस में दोस्त

पुलिस की जांच में सामने आया है कि विद्यालय परिसर में बच्चियों के रहने के लिए तीन डोरमेट्री बनी हुई हैं। इनमें दो छात्राएं एक साथ, जबकि तीसरी छात्र अलग डोरमेट्री में सोती थी। इनमें एक छात्रा लोनी, एक विजय नगर और एक छात्रा मूल रूप से हरियाणा की है, लेकिन गाजियाबाद निवासी बुआ और चाचा ने उसका दाखिला बीते वर्ष ही कराया था।

आवासीय परिसर के पीछे नई बिल्डिंग बन रही है। उस तरफ चारीदीवारी टूटी हुई है। पुलिस मान रही है कि चारदीवारी की तरफ से ही छात्राएं निकली हैं, क्योंकि मेन गेट पर रात में ताला लगा रहता है और सुरक्षाकर्मी भी तैनात रहता है। छात्राओं का पहली मंजिल से नीचे उतरकर पीछे की तरफ से निकलना लग रहा है। गेट पर लगे कैमरे की फुटेज में छात्राएं दिखी भी नहीं हैं।

विद्यालय में 100 छात्राएं

नेहरू नगर में बेसिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय के पास ही कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय है। स्कूल में कक्षा छह से कक्षा आठ की छात्राओं के लिए पढ़ाई के साथ रहने की भी व्यवस्था है। स्कूल में 100 छात्राओं की व्यवस्था है। स्कूल में तीन अध्यापिकाएं हैं, वार्डन और एक सुरक्षाकर्मी है। सोमवार को वार्डन छुट्टी पर थीं।

पुलिस तीन संदिग्ध नंबरों की जांच कर रही

पुलिस की जांच में छात्राओं की कॉपियों से तीन संदिग्ध नंबर पाए गए। स्वजन से इन नंबरों के संबंध में जानकारी जुटाई गई। जांच में पता चला कि नई बिल्डिंग में काम करने वाले एक ठेकेदार के नंबर से एक छात्रा की पूर्व में बात हुई हैं। पुलिस संदिग्ध नंबरों के आधार पर जांच का दायरा बढ़ा रही है।

क"स दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। कुछ संदिग्ध नंबर मिले हैं उनके आधार पर पुलिस टीमों को छात्राओं की तलाश में लगाया गया है। - श्वेता कुमारी यादव, एसीपी"

CM योगी ने किया आयोजन स्थल का निरीक्षण, पीएम मोदी कल करेंगे उद्घाटन

परिवहन विशेष न्यूज

सेमीकॉन इंडिया 2024 का आयोजन ग्रेटर नोएडा में किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया है। सेमीकॉन इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। वहीं पुलिस अधिकारी पीएम मोदी के कार्यक्रम की तैयारी में जुटे हुए हैं।

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में सेमीकॉन इंडिया के आयोजन स्थल का निरीक्षण किया है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आएंगे और सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे।

हेलीकॉप्टर के जरिए नोएडा पहुंचेंगे पीएम मोदी

इस दौरान बम निरोधक दस्ता व डाग स्क्वायड की टीम ने भी कार्यक्रम स्थल की जांच की। प्रधानमंत्री हेलीकॉप्टर के जरिये ग्रेटर नोएडा पहुंचेंगे। इसको लेकर वायु सेना के हेलीकॉप्टर द्वारा सोमवार को लैंडिंग ट्रायल किया गया। बताया गया कि मंगलवार यानी आज भी वायु सेना के तीन हेलीकाप्टर पहुंचे। हेलीपैड के आसपास पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगी है।

35 सौ जवानों की लगाई गई ड्यूटी

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के चलते पिछले एक महीने से अधिकारी तैयारियों में जुटे थे। सुरक्षा के दृष्टिगत 35 सौ जवानों की ड्यूटी कार्यक्रम में लगाई गई है। एक्सपो मार्ट के आसपास के क्षेत्र को सुपरजोन, जोन व सेक्टरों में विभाजित किया गया है। जिसमें लगभग नौ डीसीपी रैंक, 10 एडिशनल डीसीपी रैंक और 20 एसीपी रैंक के अधिकारियों की ड्यूटी लगी है।

जम्मू-कश्मीर पर रक्षामंत्री का दूरगामी सन्देश

ललित गर्ग

विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच राजनाथ सिंह ने कहा कि हम गुलाम कश्मीर पर अपना दावा कभी नही छोड़ेंगे। वैसे भी गुलाम कश्मीर के लोग हमारे ही लोग है, उन्हें पाकिस्तान ने कभी अपना माना ही नहीं है। राजनाथ सिंह का गुलाम कश्मीर के लोगों को संदेश पाकिस्तान के ताबूत में आखिरी कील की तरह है।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रचार को एक नई करवट देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ऐसी बातें कहीं है जो घाटी के लोगों के दिलों को छूने वाली होने के साथ प्रांत में नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है एवं गुलाम कश्मीर के लोगों के प्रति सहानुभूति एवं आत्मीयता दर्शाने वाली है। एक दिन पहले करगिल युद्ध को लेकर पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने वो बात कुबूल कर ली, जो अब तक सारे पाकिस्तानी जनरल पूरी दुनिया से छिपाते रहे। आसिम मुनीर ने साफ-साफ कहा कि कारगिल जंग में पाकिस्तानी सेना का हाथ था। उनके सैनिकों ने शहादत दी है। इसके अगले ही दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का जम्मू-कश्मीर की धरती से ये ऐलान कि अगर पाकिस्तान आतंक छोड़ दे तो उसके साथ बातचीत हो सकती है। यह बयान बहुत कुछ कहता है एवं इसके कई दूरगामी राजनीतिक दृष्टिकोण है। पाकिस्तान समझ चुका है कि कश्मीर में अब उसका कुछ नहीं बचा। रही सही कसर, जम्मू-कश्मीर में हो रहे चुनावों में लोगों की जोरदार भागीदारी ने पूरी कर दी। उसकी सारी उम्मीदों पर पानी फिरता दिख रहा है, ऐसे में वह हकीकत स्वीकार करता नजर आ रहा है। रक्षामंत्री की कही बातों में पाकिस्तान सरकार को सीधा सन्देश दिया गया है। निश्चित ही राजनाथ सिंह के बयान एक अनुभवी एवं कद्दावर नेता के रणनीतिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े बयान है, जिनकी प्रतिक्रिया दोनों ही देशों में होने के साथ ही चुनाव में हिस्सेदारी कर रहे राजनीतिक दलों में सुगबुगाहट का बड़ा कारण बना है।

कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना गुलाम कश्मीर के लोगों को प्रेरित कर रही हैं कि उन्हें भी इस ओर आजाद फिजा में सांस लेने का मौका मिले। ऐसे में रक्षामंत्री ने उन्हें भारत का हिस्सा बनने का निमंत्रण देकर पड़ोसी देश की दुखती रग को छेड़ दिया है एवं पाकिस्तान की नींद उड़ा दी है, बल्कि गुलाम कश्मीर के लोगों में भी नया विश्वास एवं मनोबल जगा दिया है। रक्षामंत्री का यह निमंत्रण बहुत मायने रखता है, इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि गुलाम कश्मीर हमारा है एवं हम इसे लेकर रहेंगे। गुलाम कश्मीर के लोग भारत से मिलने के लिये उत्सुक है, आन्दोलनरत है। क्योंकि पाकिस्तानी शासक उन्हें विदेशियों की तरह देखते हैं। यह एक सच्चाई भी है। पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर के लोगों का जैसा दमन और शोषण कर रहा है, उसके कई प्रमाण सामने आ चुके हैं। इसी दमन और शोषण के चलते जब-तब वहां पाकिस्तान के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लोग भारत जाने की अनुमति भी मांगते रहते हैं। गुलाम कश्मीर में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे लोगों को मारा जा रहा है। वहां के लोग यह अच्छी तरह देख रहे हैं कि भारतीय भूभाग में किस तरह तेजी से विकास हो रहा है और उन्हें किस तरह पाकिस्तान की ओर से ठगा जाता रहा है। कहना कठिन है कि रक्षा मंत्री के बयान पर पाकिस्तान क्या कहता है, लेकिन इसके आसार कम ही हैं कि वह आतंकवाद को सहयोग-समर्थन देने से बाज आएगा। पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों के खिलाफ आंदोलन कर रहे इस चुनाव पर सिर्फ भारतीयों नहीं, पूरी दुनिया की नजर है। विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच राजनाथ सिंह ने कहा कि हम गुलाम कश्मीर पर अपना दावा कभी नही छोड़ेंगे। वैसे भी गुलाम कश्मीर के लोग हमारे ही लोग है, उन्हें पाकिस्तान ने कभी अपना माना ही नहीं है। राजनाथ सिंह का गुलाम कश्मीर के लोगों को संदेश पाकिस्तान के ताबूत में आखिरी कील की तरह है।

रक्षा मंत्री ने अपने वक्तव्य के जरिये चुनाव के परिदृश्यों को एक नया मोड़ दिया है। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस को भी निशाने पर लिया। उनके लिए ऐसा करना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के नेता पाकिस्तानपरस्ती का परिचय देते हुए उससे बात करने पर जोर दे रहे हैं, लेकिन ऐसा करते हुए वे यह रेखांकित नहीं करते कि वार्ता के लिए उसे आतंकवाद पर लगाम लगानी होगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी कश्मीर के लोगों को अनुच्छेद-370 की वापसी का भी सपना दिखा रहे हैं। यह दिवास्वप्न के अलावा और कुछ नहीं, क्योंकि अब इस विभाजनकारी और अलगाववाद को बढ़ावा देने वाले अनुच्छेद की वापसी संभव नहीं और इसीलिए रामबन में राजनाथ सिंह ने कहा, भाजपा ने डंके की चोट पर अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर में शांति और समृद्धि का रास्ता बनाया है। किसी माई के लाल में हिम्मत नहीं कि वह इस अनुच्छेद को वापस ला सके। ऐसा कहते हुए उन्होंने कांग्रेस को भी निशाने पर लिया, जो कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है और अनुच्छेद-370 की वापसी के उसके वादे पर मौन धारण किए हुए है। पाकिस्तान एवं घाटी के विभिन्न राजनीतिक दल बार-बार अनुच्छेद 370 का जिक्र कर दुनिया के सामने यह गीत गाते रहे हैं कि 370 हटने से कश्मीर के लोग नाराज हैं। इस झूठ को खुलासा स्वयं कश्मीर की जनता ने लोकसभा चुनाव में वोटिंग के जरिये किया है।

घाटी में चुनाव में हिस्सेदारी कर रहे हैं राजनीतिक दल पाकिस्तानी राग अलापते रहे हैं। उमर अब्दुल्ला इस वक्त अफ़ज़ल को दी गयी फांसी के विवाद में घिर चुके हैं। उन्होंने कह दिया कि अफ़ज़ल को फाँसी देना गलत था। चूँकि अफ़ज़ल संसद पर हमले का ज़म्मिेदार था, उसकी तरफदारी करके नेशनल कान्फ्रेंस स्पष्ट रूप से जता रही है कि वह आतंकवादियों से मिली हुई है या उनकी तरफ़दारी कर रही है और कांग्रेस उसकी साथी है। इन स्थितियों में कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र में किए गए वादों से सहमत है? उसे यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह उमर अब्दुल्ला के इस आकलन से सहमत है कि संसद पर हमले की साजिश रचने वाले अफजल गुरु को फांसी की सजा देने से कुछ हासिल नहीं हुआ? यह अलगाववाद और आतंकवाद के दौर की वापसी के समर्थकों की हमदर्दी हासिल करने वाला ही बयान है और इसीलिए राजनाथ सिंह ने उन पर कटाक्ष किया कि अफजल को फांसी न दी जाती तो क्या उसके गले में हार डाले जाते। यह विडंबना ही है कि कांग्रेस उमर अब्दुल्ला के इस बयान पर भी चुप्पी साधे है, जबकि उसे फांसी की सजा मनमोहन सिंह सरकार के समय ही दी गई थी। ऐसे में कश्मीर के लोगों को तय करना होगा कि वे देश प्रेमियों के साथ हैं या देशद्रोहियों के साथ? बहरहाल, धारा 370 हटने के बाद यहाँ पहली बार हुए लोकसभा चुनाव में पचास प्रतिशत से ऊपर मतदान हुआ था जो अच्छा संकेत है। वर्ना इससे पहले तो तीस प्रतिशत मतदान को भी अच्छा समझा जाता रहा।

जम्मू एवं कश्मीर के चुनाव अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेंगे बल्कि बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। वैसे तो हर चुनाव में वर्ग, जाति, सम्प्रदाय का आधार रहता है, पर इस बार वर्ग, जाति, धर्म, सम्प्रदाय व क्षेत्रीयता के साथ गुलाम कश्मीर एवं अनुच्छेद 370 के मुद्दे व्यापक रूप से उभर कर सामने आयेंगे। इन चुनावों में मतदाता जहां ज्यादा जागरूक दिखाई दे रहा है, वहीं राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदार एवं चतुर बने हुए दिख रहे हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले-सफेद मोहरें रखे हैं, उससे मतदाता भी उलझा हुआ है। अपने हित की पात्रता नहीं मिल रही है। कौन ले जाएगा राज्य की एक करोड पच्चीस लाख जनता को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विकास एवं शांति की दिशा में। इन स्थितियों में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कश्मीर की जनता को जागरूक किया है एवं मतदान के प्रति सतर्क होने के साथ अपना मतदान विवेक से करने का वातावरण निर्मित किया है।

- :सौजन्य :-
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV
Drive the Future

नितिन गडकरी ने सड़क सुरक्षा पर जताई चिंता, वाहन निर्माताओं से की खास अपील

परिवहन विशेष न्यूज

दुनिया में सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं और मौतें भारत में होती हैं। भले ही भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ा है, लेकिन नितिन गडकरी ने ऐसे उपाय बताए हैं जो मोटर चालकों और पैदल चलने वालों दोनों के लिए सड़कों को सुरक्षित बना सकते हैं। मंगलवार, 10 सितंबर को नई दिल्ली में सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के 64वें वार्षिक सम्मेलन में बोलते हुए, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने सभी हितधारकों से दुर्घटनाओं की संख्या कम करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

गडकरी ने बार-बार देश में सभी के लिए सुरक्षित सड़कें बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। मंगलवार को उन्होंने निर्माताओं से ड्राइविंग स्कूल खोलने का भी आग्रह किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ड्राइवरों को स्थानीय नियमों और विनियमों की जानकारी हो, साथ ही वे वाहन चलाने या चलाने में कुशल हों।

उन्होंने इन आंकड़ों को कम करने में योगदान करने के लिए ओईएम से आग्रह करने से पहले बताया, 'हमारे देश में हर घंटे लगभग 53 दुर्घटनाएं होती हैं और 19 मौतें होती हैं। उन्होंने कहा कि जरा सोचिए 45 फीसदी दुर्घटनाएं टू-व्हीलर की वजह से और 20 फीसदी पैदल चलने वालों की वजह से होती हैं। मैं आप सभी से वास्तव में ड्राइवर प्रशिक्षण स्कूल शुरू करने में रुचि लेने का अनुरोध करता हूं। तब हम अच्छे ड्राइवरों को प्रशिक्षित कर सकते हैं और यह वास्तव में एक सकारात्मक समाधान हो सकता है।'

गडकरी ने कहा कि उनके विभाग ने खराब सड़क निर्माण और साइनेज पर काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने वाहन सुरक्षा की आवश्यकता को भी रेखांकित किया और भारत एनसीएपी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'भारत एनसीएपी ग्राहकों के लिए सुरक्षित वाहन उपलब्ध कराने के लिए निर्माताओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करेगा।'

भारत एनसीएपी या न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम भारतीय बाजार में बेचे जाने वाले वाहनों के लिए भारत की अपनी दुर्घटना-सुरक्षा रेटिंग है। ग्लोबल एनसीएपी की तर्ज पर, यह किसी भी वाहन को पूर्ण 5-स्टार रेटिंग प्रदान करेगा यदि यह दुर्घटना के मामले में उच्चतम सुरक्षा रेटिंग प्रदान करता पाया जाता है। यह प्रत्येक कार मॉडल को वयस्क यात्री सुरक्षा, बाल यात्री सुरक्षा और कार में उपलब्ध सुरक्षा उपकरणों के आधार पर रेटिंग देगा।

हाइवे पर 20 KM तक आवाजाही पर नहीं देना होगा टोल टैक्स, नितिन गडकरी ने दी खुशखबरी

परिवहन विशेष न्यूज

सड़क परिवहन मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियमों में संशोध किया है। जिसके तबत अब लोगों को रोजाना 20 किमी तक हाइवे या एक्सप्रेसवे पर चलने के लिए किसी तरह का टोल टैक्स नहीं देना पड़ेगा। इससे उन लोगों को काफी फायदा होगा जो रोजाना किसी न किसी काम से हाईवे या एक्सप्रेसवे पर उतरना पड़ता है और उनका घर टोल प्लाजा के आसपास है।

केंद्र सरकार हाईवे और एक्सप्रेसवे पर जितनी दूरी, उतना टोल नीति पर एक कदम और आगे बढ़ गई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने कहा है कि ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) का इस्तेमाल करने वाले निजी वाहन मालिकों से हाईवे और एक्सप्रेसवे पर 20 किलोमीटर तक की यात्रा पर प्रतिदिन कोई टोल नहीं लिया जाएगा।

20 किमी तक फ्री हुई आवाजाही

मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों और संग्रह का निर्धारण) नियम, 2008 में संशोधन किया है।संशोधित नियमों के तहत अब जीएनएसएस का इस्तेमाल करने वाले निजी वाहनों से 20 किलोमीटर के बाद की वास्तविक यात्रा के लिए टोल टैक्स लिया जाएगा।

इन लोगों को मिलेगा फायदा

मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम आधारित उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह प्रणाली के तहत राष्ट्रीय परमिट वाले वाहन के अलावा अन्य वाहन के चालक, मालिक या प्रभारी व्यक्ति से राष्ट्रीय राजमार्ग, स्थायी पुल, बाईपास या सुरंग के उपयोग पर एक दिन में प्रत्येक दिशा में 20 किलोमीटर की यात्रा तक शून्य-उपयोगकर्ता शुल्क लगाया जाएगा।

जीएनएसएस पर बेस्ड होंगे टोल प्लाजा

मंत्रालय ने इसी वर्ष जुलाई में कुछ राष्ट्रीय राजमार्गों पर पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर जीएनएसएस आधारित टोल संग्रह प्रणाली लागू करने का फैसला किया था। इसी वर्ष जून में इस शुल्क संग्रह प्रणाली को व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए वैश्विक आवेदन भी मांगे गए थे।

हीरो एक्सट्रीम 160R 2V फेस्टिव सीजन में हुई लॉन्च, सीट में बदलाव के साथ ड्रैग रेस टाइमर फीचर मिला

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प ने अपनी मौजूदा स्ट्रीट नेकेड बाइक Hero Xtreme 160R 2V के अपडेटेड वर्जन को लॉन्च किया है। कुछ महीने पहले ही इसके Xtreme 160R 4V वर्जन को लॉन्च किया गया था। कंपनी ने इसे फेस्टिव सीजन में लॉन्च किया है, ताकि इसकी बिक्री तेजी से हो सकें। आइए जानते हैं कि Hero Xtreme 160R 2V को किन फीचर्स के साथ लाया गया है और इसकी कीमत कितनी है।

Hero Xtreme 160R 2V: फीचर्स

Xtreme 160R 2V को फेस्टिव सीजन से पहले लाया गया है। इसमें 4V वेरिएंट की तरह ही ड्रैग रेस और 0-60 kph टाइमर मिलते हैं। इतना ही नहीं इसमें 4V से कुछ बदलाव भी किए गए हैं। इसने नई टेल-लाइट और सिंगल-पीस सीट दिया गया है। इसकी सीट को पहले से ज्यादा सपाट दिया गया है, जो पहले की तुलना अब ज्यादा आरामदायक है। इसके साथ ही इसके पीछे की सीट की ऊंचाई भी काफी कम है।

Hero Xtreme 160R 2V: इंजन

इस बाइक को केवल एक ही वेरिएंट में लेकर आया गया है, जिसे ब्लैक कलर में फिनिश किया गया है। इसमें रियर ड्रम ब्रेक के कारण सिंगल-चैनल ABS दिया गया है। एक्सट्रीम 160 2V में पुराना एयर-कूल्ड, 163.2cc, सिंगल-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 8,500rpm पर 15 hp की पावर और 6,500rpm पर 14 Nm का टॉर्क जनरेट करती है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने वायु गुणवत्ता सुधारने को लेकर कही बड़ी बात, कहा - 'हम वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे'

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार 10 सितंबर को 64वें सियाम वार्षिक सम्मेलन में पेट्रोल और डीजल वाहनों से हवा पर पड़ने वाले असर पर अहम टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल से उन्हें कोई व्यक्तिगत आपत्ति नहीं है, लेकिन वायु प्रदूषण के कारण लोगों की स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। गडकरी ने वायु गुणवत्ता में सुधार की जरूरत पर जोर दिया और स्वास्थ्य की रक्षा के लिए तत्काल उपाय करने का आह्वान किया।

गडकरी ने कहा कि मिश्रित ईंधन के साथ प्रयोग करना एक चुनौती है, लेकिन प्रदूषण कम करने के प्रयास जारी हैं। गडकरी ने कहा कि डीजल में मेथनॉल मिलाने जैसे उपायों से प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने कहा कि सब्सिडी के बिना भी इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत पेट्रोल और डीजल वाहनों के बराबर हो सकती है क्योंकि उत्पादन लागत कम हो रही है। गडकरी ने कहा कि दो साल के भीतर इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत पेट्रोल और डीजल वाहनों के बराबर हो सकती है और अगर वित्त मंत्री और भारी उद्योग मंत्री चाहें तो सब्सिडी पर विचार किया जा सकता है।

गडकरी ने यह भी बताया कि भारत डीजल पर सालाना 100 करोड़ रुपये खर्च करता है, जो प्रदूषण का एक बड़ा स्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण को कम करने और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए हरित ऊर्जा की ओर रुख करने की जरूरत है। गडकरी ने इस बदलाव को उल्लेखनीय बताया क्योंकि 2014 में डीजल पीवी की हिस्सेदारी 53 फीसदी थी जो अब घटकर 18 फीसदी रह गई है।

इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत सरकार वायु गुणवत्ता में सुधार लाने तथा हरित ऊर्जा की ओर बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वच्छ परिवहन साधनों पर फोकस करे ऑटो उद्योग: पीएम मोदी

परिवहन विशेष न्यूज

सियाम देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर से जुड़ी कंपनियों का सबसे बड़ा संगठन है। यह सेक्टर ना सिर्फ देश के मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में 35 फीसद व जीडीपी में 06 फीसदी और जीएसटी संग्रह में 15 फीसद का योगदान देता है। सरकार को जोर है कि आटो कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों पर ज्यादा ध्यान दें। इस कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने भी लोगों को संबोधित किया।

नई दिल्ली। जब भारत वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने के सपने की तरफ आगे बढ़ रहा है तो यहां के मोबिलिटी से जुड़े सभी सेक्टर को भी इसी मिशन में जुटना होगा। भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर को ना सिर्फ इस सेक्टर में दुनिया की बेहतरीन प्रौद्योगिक व कार्य-प्रणाली को लाने की कोशिश करनी चाहिए, बल्कि स्वच्छ व पर्यावरण के अनुकूल परिवहन साधनों पर ज्यादा फोकस करना चाहिए। यह बात पीएम नरेन्द्र मोदी सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री (सियाम) के सालाना सभा में कही।

"आज की मांग यह है कि देश काफी तेजी से आगे बढ़े, लेकिन यह विकास ऐसा हो जो किसी दूसरे को नुकसान न पहुंचाये व टिकाऊ हो। हमें स्वच्छ व पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था पर ध्यान देना होगा। साथ ही भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर को ना सिर्फ दूसरे देशों के लिए आदर्श स्थापित करना चाहिए बल्कि दुनिया में सबसे बेहतर प्रौद्योगिकी को भारत में लाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सियाम की सालाना बैठक में इस बारे में विस्तार से विमर्श होगा जिसका फायदा पूरे देश को होगा। : नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री"

भारत तेजी से प्रगति कर रहा

पीएम मोदी ने पिछले एक दशक में भारत में ऑटोमोबाइल सेक्टर के जबरदस्त प्रदर्शन पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि, यह बताता है कि भारत कितनी तेजी से प्रगति कर रहा है, इसमें ऑटोमोबाइल सेक्टर का योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है। सरकार की नीतियों का फायदा समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है।

"भारत इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में सधी शुरुआत कर चुका है। वर्ष 2030 तक भारत में एक करोड़ इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री होने लगेगी। इससे देश में पांच करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा। तब ईवी बाजार का आकार 20 लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों को वित्त साधन देने का बाजार ही चार लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा। नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क यातायात व राजमार्ग मंत्री"

EV के क्षेत्र में भारत सही दिशा में बढ़ रहा

गडकरी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों का रिकार्ड बता रहा है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में भारत सही दिशा में कदम बढ़ा चुका है। वर्ष 2023-24 में इवी की बिक्री में 45 फीसद की बढ़ोतरी और 400 स्टार्ट अप की स्थापना इसको साबित करता है। दुनिया भर की कई बैट्री निर्माता कंपनियां अब भारत में प्लांट लगाने की शुरुआत कर चुकी है। ऐसे में भारत से इवी के लिए बैट्री निर्माण में भी एक सशक्त देश के तौर पर उभरने की संभावना है।

गाड़ियों के स्क्रैप पर मिलेगी तीन फीसद की छूट

गडकरी ने पुराने वाहनों के स्क्रैप करने पर तीन फीसद की छूट देने को लेकर सियाम की तरफ से किये गये फैसले का स्वागत किया। उन्होंने सभी कंपनियों से अपनी स्क्रैप सुविधा लगाने का आग्रह किया। स्क्रैपिंग की सुविधा लगा कर ऑटोमोबाइल कंपनियां अपना मुनाफा बढ़ा सकती हैं।

आटो निर्यात में और बढ़ेगी भारत की धमक

भारत को ऑटोमोबाइल निर्यात में दुनिया के दिग्गज देश बनाने की जमीन तैयार की जा रही है। सियाम ने ऑटोमोबाइल सेक्टर में इस्तेमाल होने वाले 50 ऐसे कल-पुर्जे व उपकरणों को चिन्हित किया है. जिसका अभी बहुत ही ज्यादा आयात किया रहा है। कोशिश यह होगी कि इनका निर्माण भारत में ही किया जाए ताकि आयात पर निर्भरता कम किया जा सके। इससे अगले पांच वर्षों में ऑटोमोबाइल सेक्टर में 25 हजार करोड़ रुपये के आयात को कम किया जा सकेगा। इस रणनीति को सियाम और ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए कंपोनेंट्स बनाने वाली कंपिनियों के संगठन एक्मा के बीच सहयोग हो रहा है।

चार वर्षों में बढ़ा मारुति सुजुकी का निर्यात

इस बीच भारत की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी ने कहा है कि वर्ष 2030 तक भारत से होने वाले उसकी कारों के निर्यात में वर्ष 2030 तक तीन गुणा की वृद्धि होगी। पिछले चार वर्षो में भी मारुति सुजुकी का निर्यात भारत से तीन गुणा बढ़ा है।

राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क में बदलाव, परिवहन मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग के शुल्क और संग्रह दरों में संशोधन किया है। सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। नए नियमों के तहत अब राष्ट्रीय परमिट वाले वाहन के अलावा किसी भी यांत्रिक वाहन का चालक, मालिक या प्रभारी यदि राष्ट्रीय राजमार्ग के उसी हिस्से, स्थायी पुल, बाईपास या सुरंग का उपयोग करता है तो उस पर शून्य उपयोगकर्ता शुल्क लिया जाएगा। हालांकि यह केवल 20 किलोमीटर की यात्रा के लिए ही लागू होगा।

अधिसूचना के अनुसार शुल्क संग्रह और यात्रा दूरी को ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम के तहत मापा जाएगा। यदि दिन की यात्रा 20 किलोमीटर से अधिक है तो वास्तविक शुल्क उसी के अनुसार लिया जाएगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों और संग्रह का निर्धारण) नियम, 2008 में संशोधन किया गया है। इसके तहत राष्ट्रीय परमिट वाले वाहन के अलावा किसी भी यांत्रिक वाहन का चालक, मालिक या प्रभारी यदि राष्ट्रीय राजमार्ग के उसी हिस्से, स्थायी पुल, बाईपास या सुरंग का उपयोग करता है तो उस पर शून्य उपयोगकर्ता शुल्क लिया जाएगा। उपयोगकर्ता से ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम के आधार पर शुल्क लिया जाएगा। एक दिन में 20 किलोमीटर तक की यात्रा करने पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। लेकिन अगर दूरी 20 किलोमीटर से अधिक है, तो शुल्क यात्रा की गई वास्तविक दूरी के आधार पर लिया जाएगा।

दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों के अधिकांश चार्जिंग प्वाइंट्स खराब

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्र और राज्य सरकारें इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रही हैं। लोगों से इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने की अपील की जा रही है। इसके साथ ही सरकार सब्सिडी भी दे रही है। राजधानी दिल्ली को ऐसा राज्य कहा जाता है, जहां सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन चल रहे हैं। सरकार का दावा है कि दिल्ली में सबसे ज्यादा चार्जिंग स्टेशन और चार्जिंग प्वाइंट्स हैं, लेकिन हकीकत यह है कि ज्यादातर चार्जिंग प्वाइंट्स ठीक से काम नहीं कर रहे हैं।

दिल्ली सरकार का दावा है कि दिल्ली में कुल 4793 चार्जिंग प्वाइंट्स हैं। 31,000 चार्जिंग स्टेशन और 318 बैटरी स्वीपिंग स्टेशन बनाए गए हैं, जो दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में हैं। इन्हें एमसीडी, एनडीएमसी, पीएसयू और आरडब्ल्यूए ने मिलकर बनाया है। लेकिन हकीकत यह है कि दिल्ली में जगह-जगह लगाए गए चार्जिंग स्टेशन ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। इलेक्ट्रिक वाहन चलाने वाले लोग कह रहे हैं कि उन्हें इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने का अफसोस है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह यह है कि दिल्ली जैसे बड़े शहर में लोगों को इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करने में दिक्कत आ रही है।

'जिनके पास दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की सुविधा है उनके लिए तो ठीक है, लेकिन जिनके पास दिल्ली में चार्जिंग की सुविधा नहीं है या जो बाहर से ईवी लेकर दिल्ली आते हैं उनके लिए परेशानी बढ़ जाती है। दिल्ली में जिन निजी संस्थाओं ने चार्जिंग स्टेशन लगाए हैं उन्हें सब्सिडी मिलती है। उन्हें रखरखाव के लिए पैसे नहीं मिले हैं, जिसकी वजह से चार्जिंग स्टेशन खराब हो रहे हैं' - अनिल छिकारा, परिवहन विशेषज्ञ और सेवानिवृत्त उपायुक्त, दिल्ली परिवहन विभाग

दिल्ली में कुल 1,48,82,000 वाहन रजिस्टर्ड हैं। 31 अगस्त 2024 तक दिल्ली में 3,16,334 इलेक्ट्रिक वाहन रजिस्टर्ड हो चुके हैं। सरकार अब तक ईवी खरीदने वालों को 179 करोड़ रुपए की सब्सिडी दे चुकी है। दिल्ली सरकार ने 7 अगस्त 2020 को इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी लागू की थी।

2030 तक एक करोड़ इकाई का होगा भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार : नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार, 10 सितंबर को कहा कि देश का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार वर्ष 2023 तक एक करोड़ इकाई सालाना बिक्री के आंकड़े को छू लेगा। इससे पांच करोड़ नौकरियां पैदा होंगी। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही लिथियम-आयन बैटरी निर्यात करने की स्थिति में होगा।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी नई दिल्ली में आयोजित सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के 64वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। गडकरी ने कहा कि भारत भविष्य में दुनिया का शीर्ष वाहन विनिर्माण केंद्र बन जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार 2030 तक एक करोड़ इकाई सालाना तक पहुंच सकता है। इससे पांच करोड़ नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

गडकरी ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय ईवी बाजार की क्षमता वर्ष 2030 तक 20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि लिथियम-आयन बैटरियों की लागत में और कमी आने की उम्मीद है, जिससे किफायत में मदद मिलेगी और इस प्रकार बड़े पैमाने पर इसकी स्वीकार्यता में तेजी आएगी। दरअसल एक अनुमान के मुताबिक ईवी वित्तपोषण बाजार का आकार 4 लाख करोड़ रुपये है।

बिना कोचिंग के नीट परीक्षा कैसे पास करें?

विजय गर्ग

नीट का मतलब राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा है, जो भारत में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा एमबीबीएस, बीडीएस और विभिन्न सरकारी और निजी मेडिकल द्वारा प्रस्तावित अन्य संबद्ध पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है। भारत भर के कॉलेज। भारत में मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक छात्रों के लिए नीट परीक्षा अनिवार्य है, और यह वर्ष में एक बार ऑफ़लाइन मोड में आयोजित की जाती है। परीक्षा में भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान (वनस्पति विज्ञान और प्राणीशास्त्र) जैसे विषयों से बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल होते हैं और चिकित्सा शिक्षा के लिए आवश्यक छात्र के ज्ञान, योग्यता और कौशल का परीक्षण किया जाता है। सही दृष्टिकोण और समर्पण के साथ बिना कोचिंग के नीट परीक्षा पास करना निश्चित रूप से संभव है। बिना कोचिंग के नीट परीक्षा की तैयारी करने में आपकी मदद करने के लिए यहां कुछ सुझाव दिए गए हैंः सिलेबस को समझें एनईईटी की तैयारी की दिशा में पहला कदम एनईईटी पाठ्यक्रम को पढ़ना और इसमें शामिल विषयों को समझना है। एक अध्ययन योजना बनाएं और प्रत्येक विषय के महत्व के अनुसार अपना समय विभाजित करें। सही अध्ययन सामग्री प्राप्त करें पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों और पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों सहित सही अध्ययन सामग्री एकत्र करें। आप यूट्यूब वीडियो, ऑनलाइन ट्यूटोरियल और अध्ययन समूहों जैसे ऑनलाइन संसाधनों का भी उल्लेख कर सकते हैं। नियमित अभ्यास करें अभ्यास किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता की कुंजी है, और एनईईटी कोई अपवाद नहीं है। परीक्षा पैटर्न से परिचित होने और अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक अभ्यास प्रश्न और मॉक टेस्ट हल करें। स्वयं का मूल्यांकन नियमित रूप से अपना मूल्यांकन करें और अपनी कमजोरियों को पहचानें। उन क्षेत्रों में सुधार करने पर काम करें और उन विषयों को संशोधित करें जिनमें आप मजबूत हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आपके पास जानकारी बनी रहे। प्रेरित रहो नीट एक कठिन परीक्षा है और इसमें बहुत अधिक मेहनत और समर्पण की आवश्यकता होती है। प्रेरित रहना और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहना महत्वपूर्ण है। अपने आप को सकारात्मक और सहायक लोगों से घेरें जो आपको प्रोत्साहित और प्रेरित करेंगे। समय प्रबंधन समय प्रबंधन नीट की तैयारी का एक महत्वपूर्ण पहलू है। प्रत्येक विषय के लिए पर्याप्त समय आवंटित करें और सुनिश्चित करें कि परीक्षा से पहले आपके पास दोहराने और अभ्यास करने के लिए पर्याप्त समय हो। संक्षेप में, बिना कोचिंग के नीट क्रैक करने के लिए एक अनुशासित दृष्टिकोण, निरंतर प्रयास और सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। सही मानसिकता और संसाधनों से आप परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। बिना कोचिंग के नीट की तैयारी करना चुनौतीपूर्ण है लेकिन असंभव नहीं। यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं जो आपको बिना कोचिंग के नीट की तैयारी करने में मदद कर सकते हैंः एक अध्ययन योजना बनाएं एक अध्ययन योजना और शेड्यूल बनाकर शुरुआत करें जिसमें संपूर्ण एनईईटी पाठ्यक्रम शामिल हो। विषयों को उनके महत्व और कठिनाई स्तर के आधार पर विभाजित करें और प्रत्येक विषय के लिए पर्याप्त समय आवंटित करें। पुनरीक्षण और अभ्यास परीक्षणों के लिए समय शामिल करना सुनिश्चित करें। परीक्षा पैटर्न को समझें नीट में अच्छा स्कोर करने के लिए परीक्षा पैटर्न और अंकन योजना को समझना महत्वपूर्ण है। परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के प्रकार का अंदाजा लगाने के लिए पिछले वर्ष के प्रश्न पत्रों और नमूना पत्रों को देखें। सही अध्ययन सामग्री चुनें पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों और ऑनलाइन संसाधनों सहित सही अध्ययन सामग्री चुनें। एनसीईआरटी पुस्तकों का संदर्भ लेना सुनिश्चित करें क्योंकि वे पूरे पाठ्यक्रम को कवर करती हैं और एक मजबूत नींव बनाने में सहायक होती हैं। नियमित अभ्यास करें नीट में सफलता के लिए अभ्यास महत्वपूर्ण है। परीक्षा पैटर्न से परिचित होने और बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक अभ्यास प्रश्न और मॉक टेस्ट हल करेंआपका विश्वास। इससे आपको अपने कमजोर क्षेत्रों को पहचानने और उन पर काम करने में भी मदद मिलेगी। नियमित रूप से रिवीजन करें जानकारी को बनाए रखने और अपनी याददाश्त में सुधार करने के लिए नियमित पुनरीक्षण महत्वपूर्ण है। महत्वपूर्ण बिंदुओं और सूत्रों को नोट करें और उन्हें नियमित रूप से संशोधित करें। प्रेरित रहो नीठ एक कठिन परीक्षा है और इसके लिए बहुत अधिक मेहनत और समर्पण की आवश्यकता होती है। प्रेरित रहें और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें। अपने आप को सकारात्मक और सहायक लोगों से घेरें जो आपको प्रोत्साहित और प्रेरित करेंगे। ब्रेक लें बर्नआउट को रोकने और फोकस बनाए रखने के लिए नियमित ब्रेक लेना महत्वपूर्ण है। तरोताज़ा होने और आराम करने के लिए अध्ययन सत्रों के बीच में छोटे ब्रेक लेना सुनिश्चित करें। संक्षेप में, बिना कोचिंग के नीट की तैयारी के लिए अनुशासित दृष्टिकोण, निरंतर प्रयास और सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। सही संसाधनों और मानसिकता से आप परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। नीट की तैयारी के लिए सर्वोत्तम पुस्तकें नीट परीक्षा में सफलता के लिए सही पुस्तकों का चयन महत्वपूर्ण है। नीट की तैयारी के लिए यहां कुछ बेहतरीन किताबें दी गई हैंः एनसीईआरटी पुस्तकें भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान की बुनियादी अवधारणाओं में मजबूत नींव बनाने के लिए एनसीईआरटी की किताबें सबसे अच्छा स्रोत मानी जाती हैं। छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे एनसीईआरटी की पुस्तकों का गहन अध्ययन करके अपनी तैयारी शुरू करें। भौतिकी पुस्तकें नीट की तैयारी के लिए ये कुछ बेहतरीन किताबें हैं। हालाँकि, छात्रों को यह ध्यान रखना चाहिए कि मात्रा की तुलना में गुणवत्ता अधिक महत्वपूर्ण है, और उन्हें ऐसी किताबें चुननी चाहिए जो उनकी सीखने की शैली और गति के अनुकूल हों। छात्रों को परीक्षा पैटर्न से परिचित होने और अपनी गति और सटीकता में सुधार करने के लिए अभ्यास प्रश्नों और मॉक टेस्ट के साथ अपनी तैयारी को पूरक करना चाहिए। एनईईटी सेल्फ स्टडी गाइड - एनईईटी के लिए सेल्फ स्टडी कैसे करें? नीट की तैयारी के लिए अनुशासन, समर्पण और स्व-अध्ययन के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। यहां नीट के लिए स्व-अध्ययन करने के बारे में चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका दी गई हैः समय सारिणी का सख्ती से पालन करें एनईईटी के लिए स्व-अध्ययन के लिए समय सारिणी का पालन करना महत्वपूर्ण है। यहां समय सारिणी बनाने और उसका सख्ती से पालन करने के बारे में कुछ सुझाव दिए गए हैंः अपने दिन की योजना बनाएंः अपने दिन की पहले से योजना बनाएं और अध्ययन, पुनरीक्षण और अभ्यास के लिए विशिष्ट समय स्लॉट आवंटित करें। आप व्यायाम, ब्रेक और भोजन जैसी अन्य गतिविधियाँ भी शामिल कर सकते हैं। अपने कार्यों को प्राथमिकता देंः अपने कार्यों को उनके महत्व और तात्कालिकता के आधार पर प्राथमिकता दें। महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक समय आवंटित करें और यह सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से रिवीजन करें कि आपके पास जानकारी बनी रहे। यथार्थवादी बनेंः अपनी समय सारिणी की योजना बनाते समय यथार्थवादी बनें और सुनिश्चित करें कि आप प्रत्येक कार्य के लिए पर्याप्त समय आवंटित करें। अपने आप पर बहुत अधिक कार्यों या अवास्तविक लक्ष्यों का बोझ न डालें। समय सारिणी का पालन करेंः एक बार जब आप अपनी समय सारिणी बना लें, तो जितना संभव हो सके उसका पालन करें। विलंब और ध्यान भटकाने से बचें और शेड्यूल का ईमानदारी से पालन करें। अपनी प्रगति की समीक्षा करेंः नियमित रूप से अपनी प्रगति की समीक्षा करें और उन क्षेत्रों की पहचान करें जहां आपको सुधार करने की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप ट्रैक पर बने रहें, यदि आवश्यक हो तो अपनी समय सारिणी में बदलाव करें। ब्रेक लेंः बर्नआउट से बचने और अपनी एकाग्रता में सुधार करने के लिए नियमित ब्रेक लेना महत्वपूर्ण है। अपने दिमाग और शरीर को तरोताजा करने के लिए हर 90 मिनट में छोटे-छोटे ब्रेक लें। लचीले बनेंः लचीले बनें और अपनी समय सारिणी को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार समायोजित करें। कभी-कभी, अप्रत्याशित घटनाएं या आपात स्थिति आपके शेड्यूल को बाधित कर सकती हैं, और लचीला होना और तदनुसार अपनी समय सारिणी को समायोजित करना महत्वपूर्ण है। संक्षेप में, नीट के लिए स्व-अध्ययन के लिए समय सारिणी का पालन करना महत्वपूर्ण है। अपने दिन की योजना बनाकर, अपने कार्यों को प्राथमिकता देकर, यथार्थवादी बनकर, कार्यक्रम का पालन करके, समीक्षा करकेअपनी प्रगति के लिए, ब्रेक लेने और लचीले होने से, आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आप अपने अध्ययन के समय का अधिकतम लाभ उठा सकें और परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकें। लक्ष्य योजना लक्ष्य निर्धारित करना नीट स्व-अध्ययन योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां लक्ष्य योजना बनाने का तरीका बताया गया हैः अपने वर्तमान स्तर का आकलन करेंः लक्ष्य निर्धारित करने से पहले, एनईईटी पाठ्यक्रम के ज्ञान और समझ के अपने वर्तमान स्तर का आकलन करें। अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानें और उन विषयों को प्राथमिकता दें जिन पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। पाठ्यक्रम को छोटे लक्ष्यों में विभाजित करेंः नीट पाठ्यक्रम को छोटे लक्ष्यों में विभाजित करें और प्रत्येक लक्ष्य के लिए प्राप्त करने योग्य लक्ष्य निर्धारित करें। उदाहरण के लिए, आप किसी विशिष्ट अध्याय या विषय को एक निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं। यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करेंः यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें जिन्हें दी गई समय सीमा के भीतर प्राप्त किया जा सके। ऐसे लक्ष्य निर्धारित करने से बचें जो बहुत महत्वाकांक्षी या अवास्तविक हों, क्योंकि वे आपको हतोत्साहित कर सकते हैं। लक्ष्यों को प्राथमिकता देंः अपने लक्ष्यों को उनके महत्व और तात्कालिकता के आधार पर प्राथमिकता दें। महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक समय आवंटित करें और यह सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से रिवीजन करें कि आपके पास जानकारी बनी रहे। अपनी प्रगति को ट्रैक करेंः अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में अपनी प्रगति को नियमित रूप से ट्रैक करें। अपने प्रदर्शन का विश्लेषण करें और उन क्षेत्रों की पहचान करें जहां आपको सुधार करने की आवश्यकता है। अपने लक्ष्य समायोजित करेंः लचीले बनें और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार अपने लक्ष्यों को समायोजित करें। कभी-कभी, अप्रत्याशित घटनाएं या आपात स्थिति आपके शेड्यूल को बाधित कर सकती हैं, और लचीला होना और अपने लक्ष्यों को तदनुसार समायोजित करना महत्वपूर्ण है। खुद को पुरस्कृत करेंः अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाएं और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए खुद को पुरस्कृत करें। इससे आपको प्रेरित रहने और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखने में मदद मिलेगी। संक्षेप में, लक्ष्य निर्धारित करना नीट स्व-अध्ययन योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अपने वर्तमान स्तर का आकलन करके, पाठ्यक्रम को छोटे-छोटे लक्ष्यों में तोड़कर, यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करके, उन्हें प्राथमिकता देकर, अपनी प्रगति पर नज़र रखकर, अपने लक्ष्यों को समायोजित करके और खुद को पुरस्कृत करके, आप परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। नीट पिछले वर्ष के पेपरों का अभ्यास करेंः पूछे गए प्रश्नों के प्रकार, कठिनाई स्तर और परीक्षा पैटर्न को समझने के लिए पिछले वर्ष के नीट पेपरों को हल करें। इससे आपको अपने कमजोर क्षेत्रों को पहचानने और उन पर काम करने में भी मदद मिलेगी। मॉक टेस्ट लेंः अपनी तैयारी के स्तर का आकलन करने और उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए नियमित रूप से मॉक टेस्ट दें, जिन पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। अपने प्रदर्शन का विश्लेषण करें और अपनी कमजोरियों को सुधारने पर काम करें। एनईईटी समाचार और अधिसूचनाओं के साथ अपडेट रहेंः परीक्षा तिथियों, आवेदन प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण विवरणों के संबंध में नवीनतम एनईईटी समाचार और अधिसूचनाओं के साथ अपडेट रहें। इससे आपको बेहतर योजना बनाने और तैयारी करने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञों से मदद लेंः यदि आपको संदेह है या मार्गदर्शन की आवश्यकता है, तो एनईईटी विशेषज्ञों या अपने शिक्षकों से मदद लें। वे आपको आवश्यक सहायता प्रदान कर सकते हैं और बेहतर तैयारी करने में आपकी सहायता कर सकते हैं। प्रेरित और केंद्रित रहेंः अंत में, प्रेरित रहें और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखें। अपने आप पर और अपनी क्षमताओं पर विश्वास करें, और नीट परीक्षा में अपने लक्ष्य स्कोर को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें। वैचारिक स्पष्टता प्राप्त करना लक्ष्य नीट परीक्षा में सफल होने के लिए वैचारिक स्पष्टता हासिल करना महत्वपूर्ण है। इसे करने का तरीका यहां बताया गया हैः मूल बातें समझेंः प्रत्येक विषय की मूल बातें समझने से शुरुआत करें। परिभाषाओं, सूत्रों और मूलभूत अवधारणाओं पर ध्यान दें। वैचारिक समझ पर ध्यान देंः केवल विषयों को याद न करें, बल्कि उनके पीछे की अवधारणाओं को समझने पर ध्यान केंद्रित करें। विभिन्न विषयों के बीच कारण और प्रभाव संबंध को समझने का प्रयास करें। विस्तार से अध्ययन करेंः विषयों को विस्तार से पढ़ें और प्रयास करेंउन्हें वास्तविक जीवन की स्थितियों से जोड़ें। इससे आपको अवधारणाओं के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को समझने में मदद मिलेगी। संख्यात्मक समस्याओं का अभ्यास करेंः संख्यात्मक समस्याओं को हल करने से आपको

सीखी गई अवधारणाओं को लागू करने में मदद मिलेगी। अवधारणाओं की बेहतर समझ हासिल करने के लिए विभिन्न स्रोतों से समस्याओं का अभ्यास करें। अपनी गलतियों का विश्लेषण करेंः समस्याओं को हल करते समय आप जो गलतियाँ करते हैं उनका विश्लेषण करें। इससे आपको अपनी कमजोरियों को पहचानने और उन पर काम करने में मदद मिलेगी। स्पष्टीकरण लेंः यदि आपको संदेह है या स्पष्टीकरण की आवश्यकता है, तो अपने शिक्षकों या विशेषज्ञों से मदद लें। अपने संदेहों को दूर करना महत्वपूर्ण है क्योंकि वे आपकी वैचारिक समझ को प्रभावित कर सकते हैं। पुनरीक्षणः यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपके पास जानकारी बनी रहे, विषयों को नियमित रूप से दोहराएँ। रिवीजन आपकी वैचारिक समझ को मजबूत करने में भी मदद करता है। संक्षेप में, नीट परीक्षा को पास करने के लिए वैचारिक स्पष्टता हासिल करना महत्वपूर्ण है। बुनियादी बातों को समझकर, वैचारिक समझ पर ध्यान केंद्रित करके, विस्तार से अध्ययन करके, संख्यात्मक समस्याओं का अभ्यास करके, अपनी गलतियों का विश्लेषण करके, स्पष्टीकरण मांगकर और नियमित रूप से संशोधित करके, आप अपनी वैचारिक स्पष्टता में सुधार कर सकते हैं और एनईईटी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। अधिक से अधिक एमसीक्यू हल करें एमसीक्यू को हल करना एनईईटी तैयारी प्रक्रिया का एक अनिवार्य हिस्सा है। इसे प्रभावी ढंग से कैसे करें यहां बताया गया हैः आसान प्रश्नों से शुरुआत करेंः आसान स्तर के एमसीक्यू को हल करके शुरुआत करें। इससे आपको अपना आत्मविश्वास बढ़ाने और अपनी गति बढ़ाने में मदद मिलेगी। सभी विषयों को कवर करेंः नीट पाठ्यक्रम से सभी विषयों और उप-विषयों को कवर करें। इससे आपको अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानने में मदद मिलेगी। पिछले वर्ष के प्रश्नपत्रों का अभ्यास करेंः पिछले वर्ष के नीट प्रश्नपत्रों को हल करें और पूछे गए प्रश्नों का विश्लेषण करें। इससे आपको परीक्षा पैटर्न और पूछे गए प्रश्नों के प्रकार को समझने में मदद मिलेगी। मॉक टेस्ट हल करेंः अपनी तैयारी के स्तर का आकलन करने के लिए नियमित रूप से मॉक टेस्ट दें। इससे आपको अपने कमजोर क्षेत्रों को पहचानने और उन पर काम करने में मदद मिलेगी। अपनी गलतियों का विश्लेषण करेंः एमसीक्यू हल करते समय अपनी गलतियों का विश्लेषण करें। इससे आपको अपनी कमजोरियों को पहचानने और उन पर काम करने में मदद मिलेगी। अपनी गति और सटीकता में सुधार करेंः एमसीक्यू हल करते समय अपनी गति और सटीकता में सुधार करने पर काम करें। इसे नियमित अभ्यास और उन क्षेत्रों की पहचान करके हासिल किया जा सकता है जहां आपको अधिक समय लगता है। सहायता लेंः यदि आपको संदेह है या स्पष्टीकरण की आवश्यकता है, तो अपने शिक्षकों या विशेषज्ञों से सहायता लें। अपने संदेहों को दूर करना महत्वपूर्ण है क्योंकि वे आपके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। संक्षेप में, नीट परीक्षा में सफल होने के लिए अधिक से अधिक एमसीकुऊ को हल करना महत्वपूर्ण है। आसान प्रश्नों से शुरुआत करके, सभी विषयों को कवर करके, पिछले वर्ष के पेपर और मॉक टेस्ट का अभ्यास करके, अपनी गलतियों का विश्लेषण करके, अपनी गति और सटीकता में सुधार करके और आवश्यकता पड़ने पर मदद मांगकर, आप एमसीक्यू को प्रभावी ढंग से हल कर सकते हैं और एनईईटी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। मॉक टेस्ट लें मॉक टेस्ट देना नीट सेल्फ-स्टडी गाइड का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उसकी वजह यहाँ हैः परीक्षा पैटर्न को समझेंः मॉक टेस्ट देने से आपको नीट परीक्षा पैटर्न को समझने में मदद मिलती है। इससे आपको प्रश्नों की संख्या, अंकन योजना और परीक्षा की अवधि का अंदाजा हो जाएगा। समय प्रबंधनः मॉक टेस्ट आपको अपना समय प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद करते हैं। इससे आपको तय समय सीमा के भीतर परीक्षा पूरी करने में मदद मिलेगी। कमजोरियों को पहचानेंः मॉक टेस्ट आपको अपने कमजोर क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करते हैं। अपनी गलतियों का विश्लेषण करके आप अपनी कमजोरियों पर काम कर सकते हैं और अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं। परीक्षा की परिस्थितियों में अभ्यास करेंः मॉक टेस्ट आपको परीक्षा की परिस्थितियों में अभ्यास करने में मदद करते हैं। इससे आपको परीक्षा के माहौल में अभ्यस्त होने और परीक्षा की चिंता कम करने में मदद मिलेगी। आत्मविश्वास बनाएँः मॉक लेनानियमित रूप से के परीक्षण आपको अपना आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करेंगे। इससे आपको वास्तविक परीक्षा के दौरान प्रेरित और केंद्रित रहने में मदद मिलेगी। परीक्षा रणनीतियाँ विकसित करेंः मॉक टेस्ट आपको परीक्षा रणनीतियाँ विकसित करने में मदद करते हैं। इससे आपको परीक्षा को संरचित तरीके से लेने में मदद मिलेगी और आपकी सफलता की संभावना में सुधार होगा। अपनी प्रगति को ट्रैक करेंः मॉक टेस्ट आपको अपनी प्रगति को ट्रैक करने में मदद करते हैं। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप कितना आगे आ गए हैं और आपको कितना और काम करने की जरूरत है। संक्षेप में, मॉक टेस्ट देना NEET सेल्फ-स्टडी गाइड का एक अनिवार्य हिस्सा है। परीक्षा पैटर्न को समझकर, अपने समय का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करके, अपनी कमजोरियों की पहचान करके, परीक्षा की परिस्थितियों में अभ्यास करके, अपना आत्मविश्वास बढ़ाकर, परीक्षा रणनीतियां विकसित करके और अपनी प्रगति पर नज़र रखकर, आप अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं और एनईईटी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। नोट्स तैयार करें नोट्स तैयार करना आपकी एनईईटी स्व-अध्ययन प्रक्रिया को बढ़ाने का एक प्रभावी तरीका है। ऐसेः मुख्य अवधारणाओं को सारांशित करेंः अध्ययन करते समय, मुख्य अवधारणाओं और महत्वपूर्ण बिंदुओं को अपने शब्दों में सारांशित करें। इससे आपको अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझने और याद रखने में मदद मिलेगी। अपने विचारों को व्यवस्थित करेंः नोट्स आपको अपने विचारों और विचारों को व्यवस्थित करने में मदद करते हैं। इससे आपको संरचित तरीके से अध्ययन करने में मदद मिलेगी और पुनरीक्षण प्रक्रिया आसान हो जाएगी। त्वरित संशोधनः नोट्स पुनरीक्षण के लिए त्वरित संदर्भ प्रदान करते हैं। आप परीक्षा से पहले मुख्य अवधारणाओं और महत्वपूर्ण बिंदुओं को जल्दी से दोहरा सकते हैं। महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित करेंः नोट्स आपको महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं। आप परीक्षा में विषयों को उनके वेटेज और महत्व के आधार पर प्राथमिकता दे सकते हैं। समय बचाएंः नोट्स तैयार करने से आपको समय बचाने में मदद मिलती है। हर बार किसी विषय को दोहराते समय आपको पूरी पाठ्यपुस्तक पढ़ने की ज़रूरत नहीं है। वैयक्तिकृत शिक्षणः नोट्स सीखने का एक वैयक्तिकृत रूप हैं। आप ऐसे नोट्स बना सकते हैं जो आपकी सीखने की शैली और प्राथमिकताओं के अनुरूप हों। अपनी प्रगति को ट्रैक करेंः नोट्स आपकी प्रगति को ट्रैक करने में आपकी सहायता करते हैं। आप देख सकते हैं कि आपने कितना कवर कर लिया है और आपको कितना और काम करने की जरूरत है। संक्षेप में, नोट्स तैयार करना आपकी एनईईटी स्व-अध्ययन प्रक्रिया को बढ़ाने का एक प्रभावी तरीका है। मुख्य अवधारणाओं को सारांशित करके, अपने विचारों को व्यवस्थित करके, त्वरित पुनरीक्षण, महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित करके, समय की बचत करके, व्यक्तिगत शिक्षण और अपनी प्रगति को ट्रैक करके, आप अवधारणाओं की अपनी समझ में सुधार कर सकते हैं और एनईईटी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। अवधारणाओं को सुदृढ़ करेंः समस्याओं का अभ्यास करने से आपके द्वारा सीखी गई अवधारणाओं को सुदृढ़ करने में मदद मिलती है। किसी अवधारणा को समझना एक बात है, लेकिन उसे लागू करना दूसरी बात है। अभ्यास समस्याओं को हल करने से आपको अपनी समस्या-समाधान कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी। कमजोरियों को पहचानेंः समस्याओं का अभ्यास करने से आपको अपने कमजोर क्षेत्रों को पहचानने में मदद मिलेगी। अपनी गलतियों का विश्लेषण करके आप अपनी कमजोरियों पर काम कर सकते हैं और अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं। समय प्रबंधनः समस्याओं का अभ्यास करने से आपको अपना समय प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिलेगी। इससे आपको तय समय सीमा के भीतर परीक्षा पूरी करने में मदद मिलेगी। परीक्षा रणनीतियाँ विकसित करेंः समस्याओं का अभ्यास करने से आपको परीक्षा रणनीतियाँ विकसित करने में मदद मिलेगी। इससे आपको परीक्षा को संरचित तरीके से लेने में मदद मिलेगी और आपकी सफलता की संभावना में सुधार होगा। आत्मविश्वास हासिल करेंः नियमित रूप से समस्याओं का अभ्यास करने से आपको आत्मविश्वास हासिल करने में मदद मिलेगी। इससे आपको वास्तविक परीक्षा के दौरान प्रेरित और केंद्रित रहने में मदद मिलेगी। अपने ज्ञान का परीक्षण करेंः समस्याओं का अभ्यास करने से आपको अपने ज्ञान का परीक्षण करने में मदद मिलेगी। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आपने अवधारणाओं को कितनी अच्छी तरह समझ लिया है। गति और सटीकता में सुधार करेंः समस्याओं का अभ्यास करने से आपको अपनी गति और सटीकता में सुधार करने में मदद मिलेगी। इससे आपको मदद मिलेगीकम समय में अधिक समस्याओं का समाधान करें। संक्षेप में, समस्याओं का अभ्यास करना नीट स्व-अध्ययन गाइड का एक अनिवार्य हिस्सा है। अवधारणाओं को मजबूत करके, कमजोरियों की पहचान करके, अपने समय को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करके, परीक्षा रणनीतियों को विकसित करके, आत्मविश्वास हासिल करके, अपने ज्ञान का परीक्षण करके और गति और सटीकता में सुधार करके, आप अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं और एनईईटी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। निरंतर सुधारः आत्मसंतुष्टि से ठहराव आ सकता है। अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए आपको लगातार अपनी कमजोरियों पर काम करना होगा और सुधार के लिए प्रयास करना होगा। प्रेरित रहेंः आत्मसंतुष्टि प्रेरणा की कमी का कारण बन सकती है। प्रेरित रहना और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखना महत्वपूर्ण है। अपने आप को नीट परीक्षा पास करने के लाभों की याद दिलाते रहें। परीक्षा को कम न आंकेंः आत्मसंतुष्टि के कारण परीक्षा को कम आंका जा सकता है। नीट परीक्षा को हल्के में न लें. यह एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी परीक्षा है और इसे पास करने के लिए आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने की आवश्यकता है। नियमित मूल्यांकनः आत्मसंतुष्टि से आत्म-मूल्यांकन की कमी हो सकती है। नियमित रूप से अपनी प्रगति का मूल्यांकन करें और उन क्षेत्रों की पहचान करें जिनमें सुधार की आवश्यकता है। इससे आपको ट्रैक पर बने रहने और अपने लक्ष्यों की दिशा में काम करने में मदद मिलेगी। उत्कृष्टता के लिए प्रयास करेंः आत्मसंतुष्टि उत्कृष्टता प्राप्त करने की इच्छा की कमी का कारण बन सकती है। अपनी नीट तैयारी में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करें। अपने लिए उच्च मानक स्थापित करें और उन्हें हासिल करने की दिशा में काम करें। दीर्घकालिक लक्ष्यों पर ध्यान देंः आत्मसंतुष्टि से अल्पकालिक लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें और उनके लिए काम करें। सामान्यता के लिए समझौता न करें. चुनौतियों को स्वीकार करेंः आत्मसंतुष्टि से चुनौतियों का डर पैदा हो सकता है। चुनौतियों को स्वीकार करें और उन्हें सीखने और बढ़ने के अवसर के रूप में उपयोग करें। संक्षेप में, अपनी नीट स्व-अध्ययन यात्रा में कभी भी लापरवाह न रहें। निरंतर सुधार, प्रेरित रहना, परीक्षा को कम न आंकना, नियमित मूल्यांकन, उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना, दीर्घकालिक लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करना और चुनौतियों को स्वीकार करना नीट परीक्षा में सफल होने के लिए आवश्यक हैं।

यौन शोषण-अपराध की गिरफ्त में मौलिवुड

डा. अंजनी कुमार झा

मलयालम फिल्म उद्योग में यौन उत्पीडन के मामले अब भी थम नहीं रहे हैं। शोषण, अत्याचार के अनेक सनसनीखेज मामलों के सार्वजनिक होने से केरल की फिल्म इंडस्ट्री में भूचाल सा आ गया है। मौलिवुड में मलयाली के एक और अभिनेता जयसूर्या के विरुद्ध एक अभिनेत्री ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। इससे पूर्व मशहूर एक्टर सिद्दीकी को हाल में एक हीरोइन के साथ दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पहला मामला फिल्म निर्देशक रंजीत का आया जिसमें बंगाल की एक्ट्रेस ने उन पर दुष्कर्म का आरोप लगाया। उपरोक्त सभी मामलों में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला इतना गंभीर है कि सिद्दीकी को एसोसिएसन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स के महासचिव पद से हाथ धोना पड़ गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए ऐसे सभी मामलों की जांच अब एसआईटी को सौंप दी गई है। जस्टिस के. हेमा कमेटी रिपोर्ट को केरल की एलडीएफ सरकार ने जारी किया जिसमें महिला अभिनेत्रियों के साथ हो रहे अत्याचार का ब्योरेवार वर्णन है। रिपोर्ट में साफ शब्दों में जिक्र है कि केरल फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं का काम करने का उचित माहौल नहीं है। वर्ष 2017 में गठित कमेटी ने 2019 को राज्य सरकार को रिपोर्ट सौंपी, किन्तु अगस्त 2024 में राज्य सरकार ने इसे सार्वजनिक किया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि विजयन सरकार फिल्म इंडस्ट्री और सेक्स रैकेट माफिया के चंगुल में है। एफआईआर तो शोर को कम करने के लिए है। दागियों को जिस तरह सरकार बचा रही है, यह शर्मनाक है। रिपोर्ट में साफ-साफ उल्लेख है कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ यौन शोषण के अतिरिक्त शारीरिक उत्पीडन भी किया जाता है। उसी को एक्ट्रेस के रूप में मौका दिया जाता है जो शारीरिक सम्बन्ध बनाने को तैयार हो।

उसे बहुत कम धन राशि दी जाती है। इनकार करने पर स्थापित एक्ट्रेस को जान से मारने की धमकी के साथ ब्लेकमेलिंग भी की जाती है। इसके उलट जो 'सहयोग' करने से इनकार करती है, उसे कभी अवसर नहीं दिया जाता। अश्लीलता को फिल्मों में खूब परोसा जा रहा है और उस आड़ में सेक्स रैकेट के साथ ड्रग्स का हजारों करोड़ का धंधा फल-फूल रहा है। अभिनेत्रियों से कम कपड़े और अश्लील हरकतों को शूटिंग में करने को कहा जाता है। सफल तारिका की अब यही पहचान बन गई है। आयोग की आंतरिक शिकायत समिति ने साफ शब्दों में कहा है कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं को कार्य नहीं करना चाहिए। आयोग ने चिंता जाहिर की है कि ऐसे अपराधों की थानों में प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा रही है और बहुत दबाव में शिकायत दर्ज कर ली गई तो गिरफ्तारी कभी होती नहीं है। फिल्म इंडस्ट्री की आड़ में सरकार की शह पर घिनौने धंधे चल रहे हैं। बढ़ती किरकिरी के कारण एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट के अध्यक्ष और मशहूर अभिनेता मोहन लाल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि उनका कार्यकाल 2027 तक था। जगदीश और आर. जयन सहित कई पदाधिकारियों को लोक लाज के कारण इस्तीफा देना पड़ा। विशेष जांच टीम के राडार पर कई नामचीन फिल्मी हस्तियों के अतिरिक्त सत्तारूढ़ दल के पदाधिकारी भी शामिल हैं। ऐसे में 'मैनेज' के चक्कर में गिरफ्तारी की हरी झंडी न मिलना लोकतंत्र को शर्मसार कर रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अफसर ने कहा कि किसी का कुछ नहीं बिगड़ेगा। यह जांच दल रिपोर्ट केवल भरमाने का तरीका है। जनरोष को मद्देनजर रखते हुए भाजपा और कांग्रेस ने माकपा विधायक सह अभिनेता एम. मुकेश के इस्तीफे की मांग की है। विदित है कि 17 फरवरी 2017 को कोच्चि में एक सुप्रसिद्ध नायिका का पहले अपहरण हुआ, फिर चलती कार में सामूहिक दुष्कर्म हुआ। पीड़िता की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद मुख्यमंत्री पिनार्याई विजयन ने केरल हाईकोर्ट की सेवानिवृत जज के. हेमा की अध्यक्षता में कमेटी का गठन कर दिया। रिपोर्ट तो आ गई, किन्तु दोषी कौन? सजा किस-किस को मिलेगी, इत्यादि प्रश्न तो अनुत्तरित हैं।

सात वर्षों बाद आई रिपोर्ट भी लगता है मामले को शांत करने और लीपापोती के लिए है। तभी तो फिल्म इंडस्ट्री पोर्न इंडस्ट्री के रूप में तब्दील हो गया। सरकार के कई मंत्री-विधायक इस काले धंधे में संलिप्त हैं, इसलिए यह रिपोर्ट शोपीस बन कर रह गई। आश्चर्यजनक तथ्य है कि 31 दिसंबर 2019 को कमेटी ने सरकार को रिपोर्ट सौंपी, किन्तु इसे लगभग पांच वर्षों तक जानबूझ कर रोके रखा। इसे जारी कराने के लिए जब सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई तो संस्कृति विभाग ने गोपनीयता का हनन होना बताकर देने से इनकार कार दिया। हाईकोर्ट में भी याचिकाओं के जरिये रोकने का प्रयास किया गया। अंततः राज्य सूचना आयोग के हस्तक्षेप और कोर्ट के आदेश के बाद रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जा सका। कास्टिंग काउच साफ-साफ दिखता है। अनेक गवाहों के कैमरे पर आने, ऑडियो क्लिप्स, वीडियो क्लिप्स, सक्रीन शॉट्स, इंटरव्यू, गवाहों के बयान आदि से इसकी साफ-साफ पुष्टि होती है। समिति के समक्ष कुछ महिलाओं ने यहां तक कहा कि रात में पुरुष उनके दरवाजे को जोर-जोर से मारते हैं। कई महिलाओं ने यह भी बयान में कहा कि सच बोलने से उन्हें पुलिस का भय है कि कहीं उनके रिश्तेदारों पर झूठे मुकदमे न लाद दिए जाएं। एक सुप्रसिद्ध अभिनेता ने बयान में कहा कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री को माफिया चला रहा है जिसमें पुरुष प्रोडूसर, निर्देशक, अभिनेता शामिल हैं। सिनेमा के तकनीकी सेक्शन में महिला कर्मी नाममात्र की हैं। फिल्म इंस्टीट्यूट के आर नारायणन नेशनल इंस्टीटूट ऑफ विजुअल साइंस एंड आट्र्स में 44 में केवल दो छात्राएं हैं। विपक्ष की मांग है कि पूरे मामले की जांच वरिष्ठ पुलिस महिला अधिकारियों के द्वारा कराई जाए। मौलिवुड में महिलाओं को दो शब्द समझौते और समायोजन के इर्द-गिर्द घूमना होता है। केवल एक ही संदेश दिया जाता है- अपने को मांग के अनुसार सेक्स के लिए तैयार रहना है। न बोलने पर काम से बाहर का रास्ता दिखाया जाता है 295 पेज की रिपोर्ट में 65 तो केवल सम्पादित हैं। दिलचस्प तथ्य है कि दृश्य में महिला-पुरुष या पति-पत्नी के एक शॉट के 17 रीटेक होते थे। यह पहले से मान लिया जाता था कि अभिनेता तो अभिनेत्री से दुर्व्यवहार करेंगे। इच्छा के विपरीत महिलाकर्मियों को काम करना पड़ता था। 10 से 15 केवल पुरुष ही मोलिवुड में हैं जो अत्यंत धनी हैं और फिल्म इंडस्ट्री में इन्हीं का आधिपत्य है। जूनियर कलाकारों को कलाकार के रूप में स्वीकार नहीं किया जाता है। साहस कर बयान दे चुके कुछ कलाकारों के अनुसार उन्हें शारीरिक यातनाएं दी जाती हैं।

काम करने के बाद रुपए नहीं दिए जाते हैं। हालांकि जब इसकी भनक माफिया को लगी तो परिवार वालों को धमकी दी जाने लगी। इसकी शिकायतें भी थाने में की गईं, किन्तु कार्रवाई तो दूर पुलिस उलटे जूनियर कलाकारों को ही केस वापस करने को कह रही है। भोजन और पानी भी नहीं उपलब्ध कराना बड़ी शिकायत है। जूनियर कलाकार गवाहों ने बताया कि सबसे ज्यादा अत्याचार जूनियर महिला कलाकारों पर होता है। उनके साथ यौन शोषण के साथ कार्यावधि ज्यादा किन्तु पारिश्रमिक काफी कम मिलता है। केरल में जन्मी और पली-बढ़ी गीथा जे. जो अब न्यू कैस्टल यूनिवर्सिटी, ग्रेट ब्रिटेन में फिल्म प्रेक्टिस पढ़ाती हैं, ने साफ शब्दों में कहा कि केरल का पूरा फिल्म उद्योग सड़ चुका है। अप्रैल 2010 में ख्याति को चूम रहे थिलाकन को सच बोलने की सजा मिल गई थी। फिल्में मिलनी बंद हो गई थी। 2022 को एक्टर-प्रोडूसर विजय बाबू पर महिला अभिनेत्री से दुष्कर्म का आरोप लगने के बाद आंतरिक शिकायत कमेटी का गठन भी दिखावा साबित हुआ।

बैलेन्जीया ने पुणे इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खोला नया स्टोर

परिवहन विशेष न्यूज

पुणे एयरपोर्ट पर स्टोर खोलने से बैलेन्जीया को मार्केट में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिलेगी। कंपनी का यह एक जरूरी कदम है। इस स्टोर के जरिये अच्छी क्वालिटी को महत्व देने वाले यात्रियों की आवाजाही से कंपनी को फायदा होगा। नए बैलेन्जीया स्टोर को ग्राहकों के स्टाइल और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। स्टोर पर ग्राहकों को नई स्टाइल वाले मोजे मिलेंगे।

नई दिल्ली। भारत के अग्रणी मोजे ब्रांड Balenzia ने पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपने नए स्टोर का उद्घाटन किया है। इस स्टोर को ओपन करने के पीछे कंपनी का मकसद अच्छी क्वालिटी के स्टाइलिश मोजे और लाइफस्टायल रिलेटेड दूसरे प्रोडक्ट ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक पहुंचाना है। पुणे का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा कई खास चीजों के लिए मशहूर है। इसलिए Balenzia ने नया खोलने के लिए इस एयरपोर्ट को चुना है।

पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अपने आप में खास है। यहां शैक्षणिक संस्थानों, आईटी और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री जुड़े लोगों का आवागमन लगा रहता है। हवाई अड्डा बिजनेस मैन, स्टूडेंट्स और पर्यटकों के साथ परिवारों को आकर्षित करता है। पुणे एयरपोर्ट पर स्टोर खोलने से बैलेन्जीया को मार्केट में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिलेगी। कंपनी का यह एक जरूरी कदम है।

इस स्टोर के जरिये अच्छी क्वालिटी को महत्व देने वाले यात्रियों की आवाजाही से कंपनी को फायदा होगा। नए बैलेन्जीया स्टोर को ग्राहकों के स्टाइल और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। स्टोर पर ग्राहकों को नई स्टाइल वाले मोजे मिलेंगे। जो पैरों को ज्यादा आराम देने का दावा करते हैं।

'हम एक नई जगह अपना स्टोर खोलने के लिए उत्साहित हैं, यह एक महत्वपूर्ण स्थान है जो हमारे बिजनेस को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। हमें स्टोर के जरिये नए ग्राहकों से जुड़ने का मौका मिलेगा। श्रुति गुप्ता ने कहा नया स्टोर बाजार में हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पुणे हवाई एयरपोर्ट पर खुद को स्थापित करके हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारे प्रोडक्ट यात्रियों के पास आसानी से पहुंच सकें। हेड ऑफ स्ट्रैटजी श्रुति गुप्ता, बैलेन्जीया'

बैलेन्जीया के बारे में

बैलेन्जीया भारत का पसंदीदा लाइफस्टायल प्रोडक्ट ब्रांड है। यह उच्च गुणवत्ता वाले और स्टाइलिश मोजों की सीरीज पेश करती है। ब्रांड अपने ग्राहकों को डिजाइन, शैली और रंग वाले भीड़ से अलग दिखने में सहायता करना है। Balenzia सभी प्रकार के सॉक्स की सीरीज जारी करती है। आपको बता दें कि Balenzia को बेस्ट लाइफस्टाइल प्रोडक्ट फैशन एक्सेसरीज (Best Lifestyle Product Fashion Accessories of the Year 2023) अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

सुजलॉन एनर्जी में लगा अपर सर्किट, इरेडा ने भी भरी उड़ान; क्या है दोनों शेयरों में तेजी की वजह?

परिवहन विशेष न्यूज

सुजलॉन एनर्जी और इंडियन रिन्युएबल एनर्जी डेवलपमेंच एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के शेयरों में मंगलवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। सुजलॉन के स्टॉक्स में अपर सर्किट लगा। वहीं इरेडा के शेयरों में शुरुआती कारोबार के दौरान करीब 6 फीसदी का उछाल आया। आइए जानते हैं कि इन दोनों शेयरों में तेजी क्यों आई है और क्या आगे भी यह सिलसिला बरकरार रहेगा।

नई दिल्ली। सुजलॉन एनर्जी (Suzlon Energy) और इरेडा (IREDA) के निवेशकों की मंगलवार को तगड़ी कमाई हुई। सुजलॉन को NTPC से काफी बड़ा ऑर्डर मिला है। साथ ही, मशहूर अमेरिकी ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टैनली ने सुजलॉन के बारे में पॉजिटिव राय दी है। इससे सुजलॉन में 5 फीसदी का अपर सर्किट लगा और यह 78.05 रुपये पर पहुंच गया। हालांकि, यह अभी भी अपने एक साल के हाई लेवल से 7.52 फीसदी नीचे है।

वहीं, सरकारी नवरत्न इरेडा को भी एक बड़ी डील का फायदा मिला है। इसने नेपाल में एक प्रोजेक्ट के लिए एसजेवीएन (SJVN) और GMR एनर्जी के साथ डील फाइनल की है। इरेडा के मुताबिक, इस गठजोड़ का मकसद रिन्यूएबल एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर के डेवलपमेंट के माध्यम से रीजनल एनर्जी सिक्योरिटी को बढ़ाना है। यह शुरुआती कारोबार में करीब 6 फीसदी के उछाल के साथ 240 रुपये पर पहुंच गया था।

सुजलॉन पर मॉर्गन स्टैनली ने क्या कहा?

मॉर्गन स्टैनली का मानना है कि विंड टरबाइन बनाने वाली कंपनी सुजलॉन एनर्जी की वित्त वर्ष 2026 और वित्त वर्ष 2027 में अच्छी कमाई होगी। सुजलॉन एनर्जी को NTPC ग्रीन एनर्जी से 1,166 मेगावॉट का ऑर्डर मिला है। सुजलॉन इसके तहत हाइब्रिड लैटिस ट्यूब्यूलर (HLT) टावर से लैस और 3.15 मेगावॉट कैपेसिटी वाले S144 के 370 विंड टरबाइन जेनरेटर लगाएगी। यह सुजलॉन के लिए अब तक सबसे बड़ा ऑर्डर है। इसे मिलाकर 3 सितंबर तक सुजलॉन की ऑर्डर बुक 5 गीगावॉट के करीब पहुंच गई।

मॉर्गन स्टैनली का कहना है कि सुजलॉन को काफी वक्त बाद सरकारी कंपनी से कोई ऑर्डर मिला है। पहले तो यह नेगेटिव नेटवर्थ के चलते बोली ही नहीं लगा पा रही थी। हालांकि, मॉर्गन स्टैनली ने सुजलॉन की ओवरवेट रेटिंग में कोई बदलाव नहीं किया और टारगेट प्राइस को 73.4 रुपये ही रखा है, जो अब पार हो चुका है। सुजलॉन को कवर करने वाले पांच एनालिस्ट्स में इसे 3 ने BUY और दो ने HOLD रेटिंग दी है। सबसे अधिक टारगेट प्राइस 80 रुपये का है, जो ICICI सिक्योरिटीज ने दिया है।

इरेडा के शेयरों में तेजी की वजह

इंडियन रिन्युएबल एनर्जी डेवलपमेंच एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के शेयरों में तेजी एसजेवीएन (SJVN) और GMR एनर्जी के नेपाल वाली डील के चलते आई है। यह डील नेपाल के लिए काफी अहम है, क्योंकि इससे नेपाल की व्यापक हाइड्रोपावर कैपेसिटी का इस्तेमाल करने में मदद मिलेगी। इरेडा के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीप कुमार दास का कहना है कि इस महत्वपूर्ण हाइड्रोपावर परियोजना में हमारा निवेश नवीकरणीय उर्जा पहलों के आधुनिकीकरण के लिए इरेडा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दोपहर करीब 1 बजे तक इरेडा के शेयर 4.27 फीसदी उछाल के साथ 232.70 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। इरेडा ने पिछले 6 महीने में 65 फीसदी का मुनाफा दिया है। वहीं, एक साल में इसने करीब 290 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न दिया।

म्यूचुअल फंड की नहीं थम रही रफ्तार, अगस्त में भी बढ़ा निवेश

परिवहन विशेष न्यूज

म्यूचुअल फंड काफी शानदार रिटर्न देने के लिए जाता है। बैंकबाजार की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत में म्यूचुअल फंड पर औसत दस साल का रिटर्न 20 फीसदी है। देश में म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या भी 4 करोड़ के पार पहुंच गई है। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश भी लगातार बढ़ रहा है। म्यूचुअल फंड उद्योग में अगस्त में 1.08 लाख करोड़ का निवेश हुआ।

नई दिल्ली। अगस्त में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश तीन प्रतिशत बढ़कर 38,239 करोड़ रुपये रहा। जुलाई में 37,113 करोड़ रुपये का निवेश आया था। मंगलवार को एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों से पता चलता है कि यह लगातार 42वां महीना है, जब इक्विटी में शुद्ध निवेश आया है। इससे पता चल रहा है कि म्यूचुअल फंड में लोगों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है और इसमें निवेश बढ़ा रहे हैं।

देश के सबसे बड़े स्टॉक ब्रोकर और म्यूचुअल फंड SIP डिस्ट्रीब्यूटर Groww का कहना है कि जुलाई के मुकाबले अगस्त 2024 के म्यूचुअल फंड में निवेश में कुछ अहम चीजें नोटिस की जा सकती हैं। एक तो स्मॉल और मिड कैप फंड्स के मुकाबले लॉर्ज कैप फंड्स में इनफ्लो 200 बेसिस प्वाइंट बढ़ा है। दूसरी तरफ, सेक्टोरल या फिर थीमेटिक फंड्स में इनफ्लो 15 फीसदी घटा है।

कोटक महिंद्रा एएमसी के नेशनल हेड (सेल्स, मार्केटिंग और डिजिटल बिजनेस) मनीष मेहता ने कहा, 'एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) और एनएफओ (न्यू फंड ऑफरिंग) में निवेश से शुद्ध प्रवाह उत्साहजनक बना हुआ है। एनएफओ निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड में एकमुश्त आवंटन का पसंदीदा मार्ग प्रतीत होता है, क्योंकि योजनाओं में निर्धारित समयावधि में निवेश करने की स्वतंत्रता होती है।'

अगस्त में 1.08 लाख करोड़ का निवेश

कुल मिलाकर म्यूचुअल फंड उद्योग में अगस्त में 1.08 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि जुलाई में यह आंकड़ा 1.90 लाख करोड़ रुपये था। इस निवेश के साथ उद्योग की प्रबंधन के तहत शुद्ध परिसंपत्तियां जुलाई के अंत के 65 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर अगस्त के अंत में 66.7 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं। यह चीज निवेशकों के म्यूचुअल फंड, खासकर इक्विटी म्यूचुअल में भरोसे को दर्शाती है।

आंकड़ों के अनुसार, केंद्रित और इक्विटी लिंक्ड बचत योजना (ईएलएसएस) श्रेणियों को छोड़कर, अन्य सभी श्रेणियों में अच्छा शुद्ध निवेश हुआ। इक्विटी योजनाओं के अंदर क्षेत्र विशेष फंड ने समीक्षाधीन महीने के दौरान 18,117 करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया।

हालांकि, जुलाई में 18,386 करोड़ रुपये और जून में 22,352 करोड़ रुपये की तुलना में इस सेगमेंट में निवेश कम रहा। अगस्त में डेट-ओरिएंटेड योजनाओं में 45,169 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ, जो पिछले महीने 1.20 लाख करोड़ रुपये से 62 प्रतिशत कम था।

सोना 600 रुपये बढ़ा, चांदी भी चमकी; क्या है दोनों का लेटेस्ट प्राइस

सोने और चांदी के भाव में मंगलवार को तेजी आई। सोमवार को दोनों धातुएं गिरावट के साथ बंद हुई। व्यापारियों का कहना है कि घरेलू मांग में वृद्धि के कारण सोने की कीमतों में तेजी देखी गई। हालांकि विदेशों में कमजोर रुख ने सोने की चमक कुछ फीकी कर दी। विदेशी बाजारों में कॉमेक्स सोना 2532.10 डॉलर प्रति औंस पर कम होकर कारोबार कर रहा है।

नई दिल्ली। आभूषण विक्रेताओं की ताजा खरीदारी के चलते मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 600 रुपये बढ़कर 74,100 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली कीमती धातु सोमवार को 73,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत भी पिछले बंद के 83,800 रुपये प्रति किलोग्राम से 700 रुपये बढ़कर 84,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 400 रुपये उछलकर 73,750 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले सत्र में यह 73,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

व्यापारियों ने कहा कि घरेलू मांग में वृद्धि के कारण सोने की कीमतों में तेजी देखी गई। हालांकि, विदेशों में कमजोर रुख ने सोने की चमक कुछ फीकी कर दी। विदेशी बाजारों में, कॉमेक्स सोना 2,532.10 डॉलर प्रति औंस पर कम होकर कारोबार कर रहा है। आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स में कमोडिटीज एंड करेंसीज के एवीपी मनीष शर्मा ने कहा, 'मंगलवार को यूरोपीय सत्र की शुरुआत में सोने की कीमतें 2,500 डॉलर के स्तर से ऊपर रहीं, क्योंकि व्यापारी अमेरिकी मुद्रास्फीति रिपोर्ट से पहले बड़ा दांव लगाने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे थे।'

अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक बुधवार को जारी होने वाला है, जबकि उत्पादक मूल्य सूचकांक डेटा गुरुवार को जारी होगा। कमोडिटी बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार, डेटा इस महीने के अंत में फेड की ब्याज दर में कटौती के आकार के बारे में बाजार की उम्मीदों को प्रभावित करेगा और नॉन-यील्ड गोल्ड को एक नई दिशा प्रदान करेगा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर चांदी मामूली रूप से बढ़कर 28.70 डॉलर प्रति औंस पर बोली जा रही है।

कोटक सिक्योरिटीज की एवीपी-कमोडिटी रिसर्च, कायनात चैनवाला ने कहा, ₹अमेरिकी नौकरियों की निराशाजनक रिपोर्ट ने फेड की नीति में ढील के लिए मामले को मजबूत किया, हालांकि ब्याज दरों में कटौती के पैमाने के बारे में अनिश्चितता ने सोने की बढ़त को सीमित कर दिया।₹ इसके अलावा, व्यापारी FOMC के सदस्यों माइकल एस बार और मिशेल डब्ल्यू बोमन के भाषणों पर भी बारीकी से नजर रखेंगे।

पर्सनल लोन लेते वक्त इन 3 बातों का रखें ध्यान, नहीं तो हो जाएंगे जालसाजी के शिकार

कई बार अचानक वित्तीय संकट आने से पर्सनल लोन लेना जरूरी हो जाता है। अगर आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा है और आप दूसरे पैमानों पर खरे उतरते हैं तो आपको जल्दी पर्सनल लोन मिल सकता है। लेकिन पर्सनल लोन लेते कुछ बातों का ध्यान रखना निहायत जरूरी है नहीं तो आप फ्रॉड का शिकार भी हो सकते हैं। खासकर आपको इंस्टैंट पर्सनल लोन देने वाले ऐप से बचना चाहिए।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। कई बार हमें अचानक से पैसों की जरूरत पड़ जाती है। अगर आपके पास इमरजेंसी फंड की व्यवस्था नहीं है, तो आपको मजबूरी में पर्सनल लोन लेना पड़ सकता है। पर्सनल लोन हमेशा बैंकों से ही लेना चाहिए। हालांकि, NBFC यानी नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियां और फिनटेक कंपनियां भी पर्सनल लोन देती हैं। आप अपनी सुविधा के अनुसार कहीं से भी कर्ज ले सकते हैं, लेकिन आपको कुछ सावधानी बरतने की जरूरत है।

RBI के साथ रजिस्टर संस्थान से ही लें लोन

अगर आपको बैंक से पर्सनल लोन नहीं मिल रहा और किसी फिनटेक कंपनी से कर्ज ले रहे हैं, तो यह जरूर जांच लें कि वह संस्था रिजर्व बैंक के साथ रजिस्टर्ड है या नहीं। अगर संस्था आरबीआई से रजिस्टर्ड नहीं है, तो उससे हरगिज लोन न लें। साथ ही, वित्तीय संस्थान की कस्टमर सर्विस के बारे में भी पता कर लें। कई बार कर्ज लेने के बाद कुछ दिक्कतें होती हैं। अगर कस्टमर केयर सर्विस नहीं होगी, तो आपकों अपनी उलझनों का सही समाधान नहीं मिल पाएगा।

डाउनलोड वाले खेल के जाल में न फंसें

कई बार लोग ऐप स्टोर पर डाउनलोड की संख्या के आधार पर ऐप की विश्वसनीयता का पता लगाते हैं। लेकिन, यह जरूरी नहीं कि ज्यादा डाउनलोड होने वाले ऐप की सर्विस भी बेहतर हो। आपको हमेशा सर्विस क्वालिटी के आधार पर फिनटेक ऐप चुनना। साथ ही, आपको फर्जी लोन ऐप से भी सावधान रहना चाहिए। ये ऐप इंस्टैंट लोन देने के नाम पर यूजर की निजी जानकारियां ले लेते हैं और फिर उन्हें ब्लैकमेल करते हैं।

ब्याज दरों और लोन अवधि का रखें ध्यान

पर्सनल लोन पर अमूमन ब्याज दर काफी ज्यादा होती है, क्योंकि यह अनसिक्योर्ड लोन की कैटेगरी में आता है। इसका मतलब कि आपको कोई चीज गिरवी नहीं रखना होता। यही वजह है कि बैंक इस पर अधिक ब्याज दर लेते हैं। ऐसे में आपको बैंक और NBFC के बीच ब्याज दरों की तुलना करनी चाहिए। लोन प्रोसेसिंग फीस जैसे चार्ज का भी ध्यान रखना चाहिए। लोन की अवधि को ध्यान में रखें और अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार चुनें।

क्या बैंकों के सामने पैदा होने वाला है नकदी संकट? इस रिपोर्ट ने बढ़ाई चिंता

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में बैंकिंग सिस्टम के सामने नकदी की तंगी की समस्या हो सकती है। दरअसल लोन ग्रोथ के मुकाबले डिपॉजिट ग्रोथ काफी कम है। बैंक अमूमन डिपॉजिट को ही कर्ज के रूप में देकर ब्याज से मुनाफा कमाते हैं। ऐसे में अगर उनके पास जमा से ज्यादा लोन की डिमांड रहेगी कैश का संकट पैदा हो सकता है। वे कर्ज देने की प्रक्रिया को भी थोड़ा मुश्किल कर सकते हैं।

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से डिपॉजिट ग्रोथ के मुकाबले लोन ग्रोथ लगातार ज्यादा देखने को मिल रही है। इसका मतलब है कि लोग बैंकों से कर्ज अधिक मात्रा में ले रहे हैं, लेकिन उस अनुपात में अपना पैसा नहीं जमा कर रहे। अगर यह सिलसिला आगे भी जारी रहता है, तो बैंकिंग सिस्टम के सामने नकदी का संकट पैदा हो सकता है। यह बात फिक्की और आईबीए की एक रिपोर्ट में कही गई है।

डिपॉजिट ग्रोथ बढ़ाने पर फोकस

यह रिपोर्ट बताती है कि बैंक लोन ग्रोथ के तालमेल बनाने के लिए डिपॉजिट ग्रोथ बढ़ाने पर फोकस कर सकते हैं। साथ ही, कर्ज लागत को कम रखना भी उनके एजेंडे में सबसे ऊपर है। पिछले दिनों वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी जोर दिया था कि बैंकों को डिपॉजिट ग्रोथ बढ़ाने के लिए आकर्षक ब्याज दरों की पेशकश करनी चाहिए। इससे लोग बैंकों में पैसा जमा करने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

फिक्की और आईबीए की रिपोर्ट में एक सर्वे का हवाला देते हुए कहा गया है कि दो तिहाई से ज्यादा बैंकों (67 प्रतिशत) ने कुल जमा में चालू खाता बचत खाता (सीएएसए) जमा की हिस्सेदारी में कमी की सूचना दी। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उच्च और आकर्षक दरों के कारण फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) यानी सावधि जमा में तेजी आई है।

सीएएसए जमा में कमी आई

सर्वे में हिस्सा लेने वाली 80 प्रतिशत बैंकों ने 2024 की पहली छमाही के दौरान सीएएसए जमा की हिस्सेदारी में कमी की सूचना दी, जबकि आधे से अधिक निजी क्षेत्र के बैंकों ने सीएएसए जमा में कमी की बात बताई। फिक्की-आईबीए सर्वे का 19वां दौर जनवरी से जून 2024 की अवधि के लिए किया गया था।

सर्वे में सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र और विदेशी बैंकों सहित कुल 22 बैंकों ने हिस्सा लिया। ये बैंक बैंकिंग उद्योग के लगभग 67 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

महुल पाल की बुरा बक्त कब जाएंगी, बाय पास कब होगा ! हादसे मे जान जति है कोंन इसी का जिमेदार होगा

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुवनेश्वर: कामाख्यानगर से भुवनेश्वर तक की सड़क ढेंकनाल जिले कामाख्यानगर ब्लॉक के मीउल पाल गांव से होकर गुजरती है। चूंकि प्रतिदिन 500 से 600 वाहन गांव से गुजरते हैं, इसलिए सड़क पार करना खतरनाक है, यह मांग बीजद सरकार के दौरान मीडिया के माध्यम से की गई थी। इस क्षेत्र के विधायक मंत्री होने के नाते मीउल पाल के ग्रामीणों को उम्मीद थी कि बाय पास बनेगा लेकिन ऐसा नहीं हो सका लेकिन नई सरकार ने ध्यान दिया तो मीउल पाल का बजट पास नहीं हो सका है आंखें गायब हो जाएंगी. माहुल पाल का बड़ा त्योहार लक्षीप पूजा है। लेकिन कामाख्यानगर के लोग देख रहे हैं कि गांव के लोग रात में सो रहे हैं इतने सारे हादसों को देखते हुए पुरानी सरकार ने मांगें पूरी नहीं कीं. ग्रामीणों को उम्मीद है कि नई सरकार ऐसा करेगी।

साइबरशाला : साइबर विशेषज्ञों के साथ विशेष साक्षात्कार: साइबरसाइकोलॉजी की गहराइयों की खोज

डॉ. अंकुर शरण

साइबरशाला के तहत एक विशेष श्रृंखला साइबर टॉक में आपका स्वागत है, जहां हम अग्रणी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए संवाद करते हैं। आज के जुड़े हुए डिजिटल युग में, अपनी डिजिटल ज़िन्दगी की सुरक्षा बेहद जरूरी हो गई है। हमारे विशेषज्ञ आपको साइबर सुरक्षा के नए रुझानों, खतरों और डेटा सुरक्षा के व्यवहारिक उपायों पर जानकारी देंगे। डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रूप से नेविगेट करने के लिए इन सूचनाओं के साथ बने रहें। जागरूकता ही एक सुरक्षित साइबर दुनिया की कुंजी है!

साइबरशाला ने हाल ही में साइबर टॉक के तहत एक रोमांचक सत्र आयोजित किया, जिसमें प्रमुख विशेषज्ञों अदिति सिन्हा और डॉ. वैभव सरन ने हिस्सा लिया। इस सत्र का मुख्य विषय था साइबरसाइकोलॉजी का बढ़ता महत्व, इसका मानव व्यवहार पर प्रभाव और हमारे तेजी से आगे बढ़ रहे डिजिटल युग में इसके समक्ष चुनौतियाँ। विशेषज्ञों ने इस पर प्रकाश डाला कि एक हाइपरकनेक्टेड दुनिया में रहने के परिणामस्वरूप मानसिकता में कैसे बदलाव आ रहे हैं और यह नए मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण को कैसे बदल रहा है।

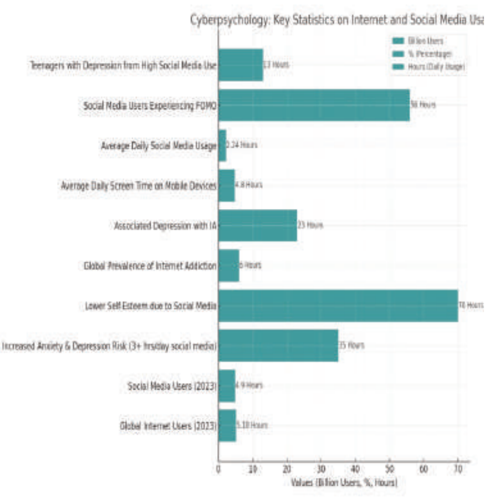

साइबरशाला: अदिति जी और डॉ. वैभव, हमारे साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद। आइए शुरुआत में मूल बातें जानें। आप साइबरसाइकोलॉजी को कैसे परिभाषित करते हैं, और यह आज के समय में इतना महत्वपूर्ण अध्ययन क्षेत्र क्यों बन रहा है?

अदिति सिन्हा: साइबरसाइकोलॉजी मूल रूप से यह अध्ययन करती है कि तकनीक, विशेष रूप से इंटरनेट और सोशल मीडिया, मानव व्यवहार और मानसिक प्रक्रियाओं को कैसे प्रभावित करती है। आज की दुनिया में, लगभग 5 बिलियन लोग ऑनलाइन हैं, और वे अपनी जिंदगी के लगभग हर पहलू - संचार, काम, सीखने, मनोरंजन - के लिए तकनीक पर निर्भर हैं। इस भारी निर्भरता के मानसिक प्रभावों को समझना जरूरी हो गया है। साइबरसाइकोलॉजी हमें यह जानने में मदद करती है कि हम डिजिटल वातावरण में कैसे सोचते हैं, व्यवहार करते हैं और प्रतिक्रिया देते हैं, जो महत्वपूर्ण है क्योंकि तकनीक हमारे भावनाओं, संवाद और पहचान को आकार दे रही है।

डॉ. वैभव सरन: मैं सहमत हूँ। तकनीक का मानव मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव पड़ा है। जैसे-जैसे हम डिजिटल प्लेटफार्मों को अपनी ज़िन्दगी में शामिल कर रहे हैं, हम सामाजिक व्यवहार, भावनात्मक भलाई और संज्ञानात्मक कार्यों में बदलाव देख रहे हैं। हालांकि तकनीक ने ज़िन्दगी को कई तरीकों से बेहतर बनाया है, इसके कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं - जैसे कि व्यसन, चिंता और सामाजिक अलगाव। साइबरसाइकोलॉजी इन सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का अध्ययन करती है, जिससे हमें इस अनजान क्षेत्र में आगे बढ़ने का रास्ता मिलता है।

साइबरशाला: बहुत दिलचस्प! नकारात्मक प्रभावों की बात करें, तो सोशल मीडिया इस चर्चा के केंद्र में प्रतीत होता है। आपके शोध में सोशल मीडिया के मानसिक प्रभाव, विशेषकर युवा उपयोगकर्ताओं पर, क्या परिणाम सामने आए हैं?

अदिति सिन्हा: सोशल मीडिया एक दोधारी तलवार की तरह है। एक ओर, यह लोगों को जुड़े रहने और ऑनलाइन समुदाय बनाने का अवसर देता है। लेकिन दूसरी ओर, अत्यधिक उपयोग से मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं, खासकर किशोरों और युवा वयस्कों में। सोशल मीडिया पर लोग अपने साधारण जीवन की तुलना ग्लैमराइज्ड जीवन से करते हैं, जो उन्हें कमतर महसूस कराता है। यह आत्म-सम्मान में कमी, चिंता और कुछ मामलों में अवसाद का कारण बन सकता है।

वास्तव में, FOMO (फियर ऑफ मिसिंग आउट) और FOBM (फियर ऑफ बीइंग मिस्ड) जैसे शब्द उभर आए हैं, जो लगातार सोशल मीडिया की जाँच करने और जुड़े रहने की प्रवृत्ति को दर्शाते हैं। परिणामस्वरूप, तनाव और भावनात्मक तनाव बढ़ जाता है।

डॉ. वैभव सरन: अदिति जी के बिंदु को आगे बढ़ाते हुए, हमने यह भी देखा है कि जब लोग खुद की तुलना उन लोगों से करते हैं जो उनसे बेहतर स्थिति में दिखते हैं, तो यह उनके आत्म-सम्मान और खुशी पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। हमारी रिसर्च में पाया गया है कि जो किशोर अधिक सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, उनमें अवसाद और जीवन से असंतोष की दर अधिक होती है।

साइबरशाला: यह वाकई चिंताजनक है, खासकर सोशल मीडिया की व्यापकता को देखते हुए। अब एक और बढ़ती समस्या की बात करें—इंटरनेट एडिक्शन (IA)। यह कितनी गंभीर समस्या है, और इसका मानसिक स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव है?

डॉ. वैभव सरन: इंटरनेट एडिक्शन एक तेजी से बढ़ती चिंता का विषय है। यह न केवल मानसिक स्वास्थ्य बल्कि व्यक्तिगत संबंधों और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है। जो लोग IA से पीड़ित होते हैं, वे अक्सर चिंता, अवसाद, और अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करते हैं।

अदिति सिन्हा: हाँ, और समस्या यह है कि इंटरनेट हमेशा उपलब्ध होता है, जिससे लोग उस पर अत्यधिक निर्भर हो जाते हैं। इसका शारीरिक प्रभाव भी है, जैसे कि नींद की कमी और शारीरिक निष्क्रियता। इंटरनेट एडिक्शन की परिभाषा और निदान को लेकर अभी भी स्पष्टता नहीं है, जिससे इसे हल करना कठिन हो जाता है।

साइबरशाला: बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी। आपकी इस जानकारीपूर्ण चर्चा के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद! यह स्पष्ट है कि साइबरसाइकोलॉजी एक ऐसा महत्वपूर्ण अध्ययन क्षेत्र है, जो भविष्य में डिजिटल दुनिया को और गहराई से समझने में हमारी मदद करेगा।

ट्रक द्वारा खनिजों के परिवहन के लिए लोडिंग टोकन को रोकने के बाद तुमुलकंद हमले में टेरिटोरियल ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष का सिर काट दिया गया

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: ट्रकों द्वारा खनिज संसाधनों के परिवहन के लिए आवश्यक लोडिंग टोकन के लिए, विशेष रूप से क्योंझर जिला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन और क्षेत्रीय ट्रक ओनर्स एसोसिएशन शुआकाटी एसोसिएशन, शुआकाटी में एक समस्या है। हालाँकि शुआकाती क्षेत्रीय ट्रक ओनर्स एसोसिएशन शुआकाती में यह मुद्दा कुछ हद तक छोटा था, लेकिन हाल ही में संपन्न आम चुनावों के बाद लोडिंग टोकन को लेकर पिछले दो महीनों से यूनियन सदस्यों के बीच तनाव चल रहा है।

क्षेत्रीय ट्रक मालिक संघ शुआकाती यूनियन, जबकि शुआकाती यूनियन के कार्यकर्ता बिजेड़ी पार्टी के हैं, उक्त यूनियन में भाजपा समर्थित सदस्य आम चुनाव के बाद अधिक सक्रिय हो गए और बार-बार कुछ सदस्यों के लोडिंग टोकन को अवैध रूप से मनमाने ढंग से वितरित करने का आरोप लगाया गया। संघ यहां तक कि पिछले दो माह से यूनियन के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालने वाले सदस्यों द्वारा 33 सदस्यों के ट्रकों की लोडिंग के लिए टोकन का भुगतान नहीं किये जाने से संबंधित ट्रक मालिकों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। हालाँकि, समस्या के समाधान के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किये जाने पर सोमवार की सुबह उस समय स्थिति उत्पन्न हो गयी, जब लोडिंग से चूक गये कुछ सदस्य पूछताछ के लिए कार्यालय पहुंचे। उस समय यूनियन के अध्यक्ष भुवन मोहन दास यूनियन के कार्यालय से कुछ ही दूरी पर एक सीमेंट की दुकान में थे, तभी रंजीत बारिक, संजीत बारिक, सेन बारिक, जगदीश बारिक और मनोज महाकुड़ पर करीब 20 साल की उम्र के युवकों ने हमला कर दिया। हमले के पीड़ित भुवन ए ने उसके साथ मारपीट कर उसके गले में पहनी सोने की चेन लूटने की शिकायत सदर थाने में दर्ज करायी है।

शिकायत के बाद भुबन का इलाज पास के पद्मपुर समूह स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया और पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। हालांकि, भुबन ने कहा कि अगर उन पर हमला करने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई तो वह मानवाधिकार आयोग के सामने पेश होने को मजबूर होंगे।

सफदरजंग अस्पताल में कैंसर का इलाज होगा और आसान

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। भारत में कैंसर की देखभाल को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग ने एक बंकर के उन्नयन और विस्तार के लिए आधारशिला रखी है, जिसमें हाई एनर्जी लीनियर एक्सेलेरेटर रखा जाएगा। यह विकास अत्याधुनिक कैंसर उपचार प्रदान करने के लिए अस्पताल की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

कई दशकों की प्रतीक्षा के बाद, केंद्र सरकार के इस प्रमुख अस्पताल में जल्द ही बहुप्रतीक्षित लीनियर एक्सेलेरेटर आने वाला है और इसे स्थापित किया जाएगा। यह उन्नत उपकरण रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग को अभूतपूर्व गुणवत्ता और सटीकता के साथ कैंसर रोगियों का इलाज करने में सक्षम बनाएगा।

शिलान्यास समारोह संस्थान की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. (प्रोफेसर) वंदना तलवार द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. भूमिका मिश्रा एसई, सीपीडब्ल्यूडी, सभी एडीडीएल एमएस डॉ. जयंती मणि, डॉ. कपिल सूरी, डॉ. आर पी अरोड़ा, डॉ. विकास यादव एचओडी और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, ईएनटी और पीएमआर के विभागाध्यक्षों सहित प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया।

इस समारोह में तकनीकी कर्मचारियों, नर्सिंग अधिकारियों और रेजिडेंट डॉक्टरों की भी उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिनमें से सभी ने रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के भविष्य के विस्तार और विकास के बारे में उत्साह व्यक्त किया। इस विस्तार से देश भर के कैंसर रोगियों की सेवा करने की अस्पताल की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे उन्हें अत्याधुनिक उपचार पद्धतियों तक पहुँच प्राप्त होगी।

डॉ. (प्रो.) वंदना तलवार ने कहा, ₹यह वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।₹ ₹लीनियर एक्सेलेरेटर के जुड़ने से सटीक और प्रभावी कैंसर उपचार प्रदान करने की हमारी क्षमता में क्रांतिकारी बदलाव आएगा, जिससे अनगिनत रोगियों को उम्मीद मिलेगी।"

लीनियर एक्सेलेरेटर की स्थापना वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल में कैंसर देखभाल सुविधाओं को उन्नत और विस्तारित करने की व्यापक पहल का हिस्सा है, जो भारत में ऑन्कोलॉजी देखभाल में एक अग्रणी संस्थान के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है।

कविता : समझ नहीं आता!

समझ नहीं आता!
किस-किसके साथ कैसा व्यवहार करो?
किस-किसके साथ कैसे कदमताल करो?
यारों जिंदगी बड़ी बेरहम है।
उसके पास न कोई मरहम है।
संघर्षों का सिलसिला है लंबा।
अंत नहीं बहुत बड़ा है लमहा।
सच, समझ नहीं आता!
किस-किसके साथ कैसा व्यवहार करो?

बिना बोले रहा भी नहीं जाता।
बोल दिया तो सहा नहीं जाता।
अगर सुन भी लिया तो।
चुप रहा भी नहीं जाता।
हाँ, समझ नहीं आता!
किस-किसके साथ कैसा व्यवहार करो?

बस गुजार दो ये जिंदगी।
कड़वी सच्चाई है बंदगी।
बुन लो सामंजस्य का ताना।
अपना तो अब यहीं ठिकाना।
हाँ, अब समझ में आया।
किस-किसके साथ कैसा व्यवहार करो?

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
31, संजय नगर, इंदौर (मध्यप्रदेश)
98260-25986

रेजिडेंशियल एरिया, शेर शाह सूरी रोड में घूमते पानी के टैंकरों से बढ़ा खतरा, दो युवाओं की दुर्घटना में एक की मौत

परिवहन विशेष न्यूज

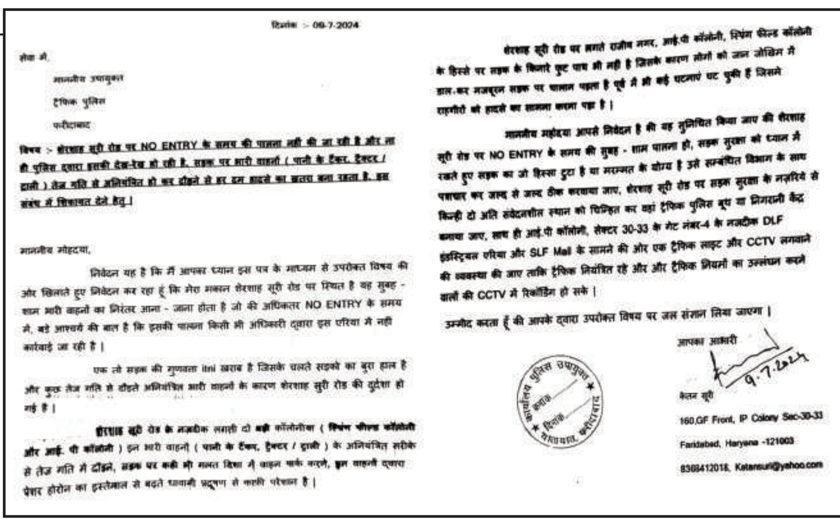

फरीदाबाद, शहर के रेजिडेंशियल एरिया में बिना रोक-टोक घूम रहे पानी के टैंकर स्थानीय निवासियों के लिए गंभीर खतरा साबित हो रहे हैं। 9 सितम्बर को हुए एक बड़े हादसे में दो युवा सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए, जिसमें से एक की दर्दनाक मौत हो गई जबकि दूसरा घायल है। इस घटना के बाद क्षेत्रीय निवासी और स्थानीय RWA (रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय निवासियों ने इन भारी-भरकम पानी के टैंकरों की रेजिडेंशियल इलाकों में एंट्री पर रोक लगाने की मांग करते हुए पुलिस अधिकारियों से अपील की है। निवासियों का कहना है कि ये टैंकर न केवल सड़क सुरक्षा के लिए खतरनाक हैं बल्कि इससे लोगों की जान को भी गंभीर खतरा है। RWA के प्रतिनिधियों का कहना है कि पिछले महीने शेर शाह सूरी रोड पर हो रही सड़क सुरक्षा समस्याओं को लेकर पुलिस को एक पत्र भी सौंपा गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

इस ताजा दुर्घटना ने इलाके में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि पुलिस और नगर निगम जल्द से जल्द इस मामले पर ध्यान दें और इन टैंकरों की अनियंत्रित आवाजाही को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए।

स्थानीय निवासियों की अपील:

रेजिडेंशियल एरिया में ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए निवासियों ने पुलिस और नगर निगम को सड़क सुरक्षा उपायों को तत्काल लागू करने की अपील की है। इसके साथ ही दुर्घटना के लिए जिम्मेदार टैंकर चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की जा रही है। इस घटना ने क्षेत्र में सड़क सुरक्षा की जरूरत पर एक बार फिर जोर दिया है। पुलिस और प्रशासन से निवासियों की मांग है कि वे जल्द से जल्द इस मामले में कार्रवाई करें ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

"कानून का दोहरा मापदंड" - एक सदस्य का दर्द

यह हमारे देश का दुर्भाग्य है कि यहां कानून का पालन लोगों की हैसियत के आधार पर किया जाता है। जब कोई गरीब व्यक्ति यातायात नियमों का उल्लंघन करता है, तो उस पर सभी धाराएं सख्ती से लागू की जाती हैं। वहीं, अगर किसी दबंग या पैसे वाले ने वही गलती की हो, तो उसे बचाने के लिए हर संभव तरीका अपनाया जाता है।

One Statement

हमारी इस मानसिकता ने कानून लागू करने वाली एजेंसियों के मनोबल को कमजोर कर दिया है। शायद यही कारण है कि जब ऐसे प्रभावशाली लोग नियमों का उल्लंघन करते हैं, तो एजेंसियां आंखें बंद कर लेती हैं। यह स्थिति न केवल न्याय प्रणाली पर सवाल उठाती है, बल्कि आम जनता के बीच भी एक असमानता की भावना पैदा करती है। *-आलोक*

Second Statement

स्प्रिंगफील्ड URWA के अध्यक्ष ऋषि मलिक का निवेदन

स्प्रिंगफील्ड URWA के अध्यक्ष ऋषि मलिक ने प्रशासन से अपील करते हुए कहा है कि एक सख्त संदेश भेजा जाना चाहिए, ताकि यह बाकी सभी के लिए एक मिसाल बन सके। हमारा सभी निवासियों की ओर से यही निवेदन है कि कृपया इन जानलेवा पानी के टैंकरों की कॉलोनी के अंदर आवाजाही को तुरंत बंद करवाया जाए।

उन्होंने कहा, "इन टैंकरों की गति इतनी अधिक होती है कि अगर ये ब्रेक भी मारते हैं, तो भी दुर्घटना से बचना मुश्किल होता है। विशेष रूप से जब ये टैंकर खाली होकर लौटते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे भगवान ही मालिक हैं।"

थाना अध्यक्ष, सेक्टर 31 से भी ऋषि मलिक ने निवेदन किया है कि इन टैंकरों की कॉलोनी के अंदर से एंट्री को पूरी तरह से बंद किया जाए। उन्होंने कहा, "यह हमारी सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और आपकी अति मेहरबानी होगी।"

Statement 3

शेरशाह सूरी रोड पर यातायात सुधार के लिए बलिदान देने वाले लड़के को सलाम

उस बहादुर लड़के को सलाम जिसने अपना जीवन खोकर प्रशासन को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि शेर शाह सूरी रोड को यातायात के सुगम संचालन के लिए तुरंत सुधारने का फैसला लिया जाए, ताकि ऐसी दुखद घटनाएं फिर से न हों।

श्री केतन सूरी, जिन्होंने जुलाई में संबंधित अधिकारियों को एक पत्र भेजा था, ने दुख प्रकट करते हुए कहा, "काश मेरी शिकायत पर किसी ने समय रहते संज्ञान लिया होता, तो आज शायद किसी के घर का चिराग जीवित होता। अगर अब भी कुछ किया जा सकता है, तो यह बहुत बड़ा आभार होगा।"

यह घटना हम सबको चेतावनी देती है कि यातायात व्यवस्था में सुधार और नागरिकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की कितनी आवश्यकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023